ગુજરાત શૈક્ષણિક સંશોધન અને તાલીમ પરિષદ, ગાંધીનગરના પત્ર-ક્રમાંક
જીસીઈઆરટી/સી એન્ડ ઈ / 2014 / 2222, તા. 3-2-2014 - થી મંજૂર

शिक्षक एवं अभिभावक के लिए अलग से शिक्षक-आवृत्ति का निर्माण किया गया है, उसका अवश्य उपयोग कीजिए ।

हिन्दी

कक्षा 5

(द्वितीय भाषा)

(प्रथम सत्र-द्वितीय सत्र)

प्रतिज्ञापत्र

भारत मेरा देश है।
सभी भारतवासी मेरे भाई-बहन हैं।
मुझे अपने देश से प्यार है और इसकी समृद्धि तथा बहुविध परम्परा पर गर्व है।
मैं हमेशा इसके योग्य बनने का प्रयत्न करता रहूँगा।
मैं अपने माता-पिता, अध्यापकों और सभी बड़ों की इज्जत करूँगा एवं हर एक से नम्रतापूर्वक व्यवहार करूँगा।
मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि अपने देश और देशवासियों के प्रति एकनिष्ठ रहूँगा।
उनकी भलाई और समृद्धि में ही मेरा सुख निहित है।

રાજ્ય સરકારની વિનામૂલ્યે યોજના હેઠળનું પુસ્તક

વિદ્યાર્થીનું નામ : ____________________

શાળાનું નામ : ____________________

વર્ગ : ____________ રોલ નંબર : ____________

तमसो मा ज्योतिर्गमय

गुजरात राज्य शाला पाठ्यपुस्तक मंडल

'विद्यायन', सेक्टर 10-ए, गांधीनगर-382 010

© गुजरात राज्य शाला पाठ्यपुस्तक मंडल, गांधीनगर
इस पाठ्यपुस्तक के सर्वाधिकार गुजरात राज्य शाला पाठ्यपुस्तक मंडल के अधीन हैं।
इस पाठ्यपुस्तक का कोई भी अंश, किसी भी रूप में गुजरात राज्य शाला पाठ्यपुस्तक मंडल के नियामक की लिखित अनुमति के बिना प्रकाशित नहीं किया जा सकता।

लेखन-सपादन (SRG)

डॉ. संजय तलसाणिया, श्री अश्विन पटेल
श्री रेवाभाई प्रजापति, श्री सुभाष पटेल
श्री नुरोद्दीन शाह, श्री हितेश नायक
श्री रमेश परमार, श्री दीक्षिता ठक्कर
श्री मीनाबहेन कापडी, डॉ. भगवानभाई पटेल
श्री मंगलभाई गोहिल, श्री नीलेश वाघेला
श्री गोविंदभाई रोहित, श्री घनश्यामसिंह महिडा
श्री असलमशा फकीर, श्री रमणभाई परमार
श्री झनुभाई संगाड़ा, श्री इन्दुबहन कलसालिया
श्री पारूल पंड्या, श्री पारूल भावसार

समीक्षा

डॉ. रवीन्द्र अंधारिया, श्री रणजीतसिंह पवार
श्री महेशभाई उपाध्याय, डॉ. मोना दवे
श्री राजेशसिंह क्षत्रिय, श्री केशा तिवारी
श्री विजय तिवारी

चित्रांकन

श्री भरत अग्रावत, श्री हितेश पटेल
श्री जे. बी. पटेल, श्री विजय पटेल
श्री अंकुर सूचक, शिल्प ग्राफ़िक्स

संयोजन

डॉ. कमलेश एन. परमार
(विषय-संयोजक : हिन्दी)

निर्माण-आयोजन

श्री हरेश एस. लीम्बाचीया
(नायब नियामक: शैक्षणिक)

मुद्रण-आयोजन

श्री हरेश एस. लीम्बाचीया
(नायब नियामक : उत्पादन)

प्रस्तावना

NCF - 2005 एवं RTE-2009 को केन्द्र में रखते हुए देश में प्राथमिक शिक्षा के अभ्यासक्रम, पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तक साथ-साथ शिक्षा की समग्र प्रक्रिया में बदलाव हो रहा है। यह बदलाव मुख्यत: विषयवस्तु और शिक्षा प्रक्रिया की हमारी समझ के बारे में है। छात्रों में सर्जनशक्ति, विचारशक्ति, तर्कशक्ति और पृथक्करण करने का कौशल्य विकसित हो और इसके तहत् छात्रों का सर्वांगीण विकास हो यही नई पाठ्य-चर्या के मूल उद्देश्य हैं इस अभिगम को केन्द्र में रखकर जी.सी.ई.आर.टी. गांधीनगर के तत्त्वधान में तैयार की गई कक्षा 5 हिन्दी (द्वितीय भाषा) का यह पाठ्यपुस्तक छात्रों, अध्यापकों एवं अभिभावकों के समक्ष प्रस्तुत करते हुए पाठ्यपुस्तक मंडल आनंद का अनुभव करता है।

नया अभ्यासक्रम, पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तक निर्माण की प्रक्रिया में IGNUS-erg टीम के सदस्यों का मार्गदर्शन मिलने के कारण स्टेट रिसोर्स ग्रुप के सदस्यों को विषय सज्जता मिली है। UNICEF का सहयोग भी इस पूरी प्रक्रिया के दौरान मिला है। हिन्दी विषय के कोर ग्रुप के सदस्यों का भी पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ है।

इस पाठ्यपुस्तक को समग्र राज्य में अमल करने से पहले पसंदगी प्राप्त इस स्तर की पाठशालाओं में तीन साल तक आज़मायशी तौर पर रखा गया था। इसी दौरान वर्ग शिक्षाकार्य में जो अनुभव प्राप्त हुए उनके व्यापक सुझाव गुजरात शैक्षिक संशोधन एवं तालीम परिषद् द्वारा प्राप्त किये गये। तद्अनुसार पाण्डुलिपि में आवश्यक बदलाव किया गया।

इस पाठ्यपुस्तक का समग्र राज्यव्यापी अमल के पूर्व पाठ्यपुस्तक मंडल द्वारा आमंत्रित विशेषज्ञों और पाठ्यपुस्तक तैयार करनेवाले जी.सी.ई.आर.टी. के SRG विशेषज्ञों की संयुक्त बैठक बुलाकर उनके भी सुझावों को ध्यान में लेकर इस पाठ्यपुस्तक को आखरी स्वरूप दिया गया है।

प्रस्तुत पाठ्यपुस्तक को गुणवत्तायुक्त तथा छात्रभोग्य बनाने के लिए भरसक प्रयत्न किया गया है। अपने चतुरंगी स्वरूप के कारण छात्रों को विशेष तौर पर रसप्रद लगे, ऐसा लक्ष्य की रखा गया है।

इस पाठ्यपुस्तकको क्षतिरहित बनाने के लिए पूर्णत: प्रयत्न किये गए हैं, फिर भी शिक्षा कार्य में रुचि रखनेवाले व्यक्तियों से इस पाठ्यपुस्तक को असरकारक बनानेवाले सुझाव सदैव आवकार्य हैं।

डॉ.आर.यु. पुरोहित	डॉ. भरत पंडित	डॉ. नीतिन पेथाणी
निदेशक	नियामक	कार्यवाहक प्रमुख
(जी.सी.ई.आर.टी.)	(पाठ्यपुस्तक मंडल)	(पाठ्यपुस्तक मंडल)

दिनांक : 3-3-2015 गांधीनगर

प्रथम संस्करण : 2014, पुनर्मुद्रण : 2015
प्रकाशक : गुजरात राज्य शाला पाठ्यपुस्तक मंडल, 'विद्यायन', सेक्टर 10-ए, गांधीनगर की ओर से डॉ. भरत पंडित, निदेशक
मुद्रक :

मूल कर्तव्य

भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –*

(क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;

(ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करनेवाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;

(ग) भारत की संप्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;

(घ) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;

(ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;

(च) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;

(छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अन्तर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;

(ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;

(झ) सार्वजनिक सम्पत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे;

(ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे, जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छू ले ;

(ट) यदि माता–पिता या संरक्षक है, तो वह छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, बालक या प्रतिपाल्य के लिए यथास्थिति,शिक्षा के अवसर प्रदान करे ।

*भारत का संविधान : अनुच्छेद 51–क

अनुक्रमणिका

क्रम	इकाई	साहित्य-स्वरूप	पृष्ठ-क्रमांक
	(प्रथम सत्र)		
1.	यातायात (चित्रपाठ)	–	01
2.	गिनती (२१ से ५०)	–	09
3.	नन्हा मुन्ना राही हूँ	कविता	14
4.	सोच अपनी-अपनी	–	20
■	पुनरावर्तन : 1	–	25
5.	चिड़ियाघर की सैर	–	28
6.	हँसी का पिटारा	चुटकुले	35
7.	खाना खज़ाना (चित्रपाठ)	–	38
8.	भरत मिलाप	एकांकी	44
■	पुनरावर्तन : 2	–	53
■	कसौटी	–	57
	(द्वितीय सत्र)		
9.	कैसा शोर ?	चित्र-कहानी	62
10.	सीखो	कविता	70
11.	सच्चा बालक	जीवन-प्रसंग	75
12.	दुमदुमा गाँव के बच्चे	कहानी	80
■	पुनरावर्तन :3	–	88
13.	स्वच्छता	निबंध	91
14.	हम भारत की शान हैं !	कविता	97
15.	खरगोश और हाथी	चित्र-कहानी	100
16.	पहेलियाँ	पहेलियाँ	106
■	पुनरावर्तन:4	–	109

1 यातायात (चित्रपाठ)

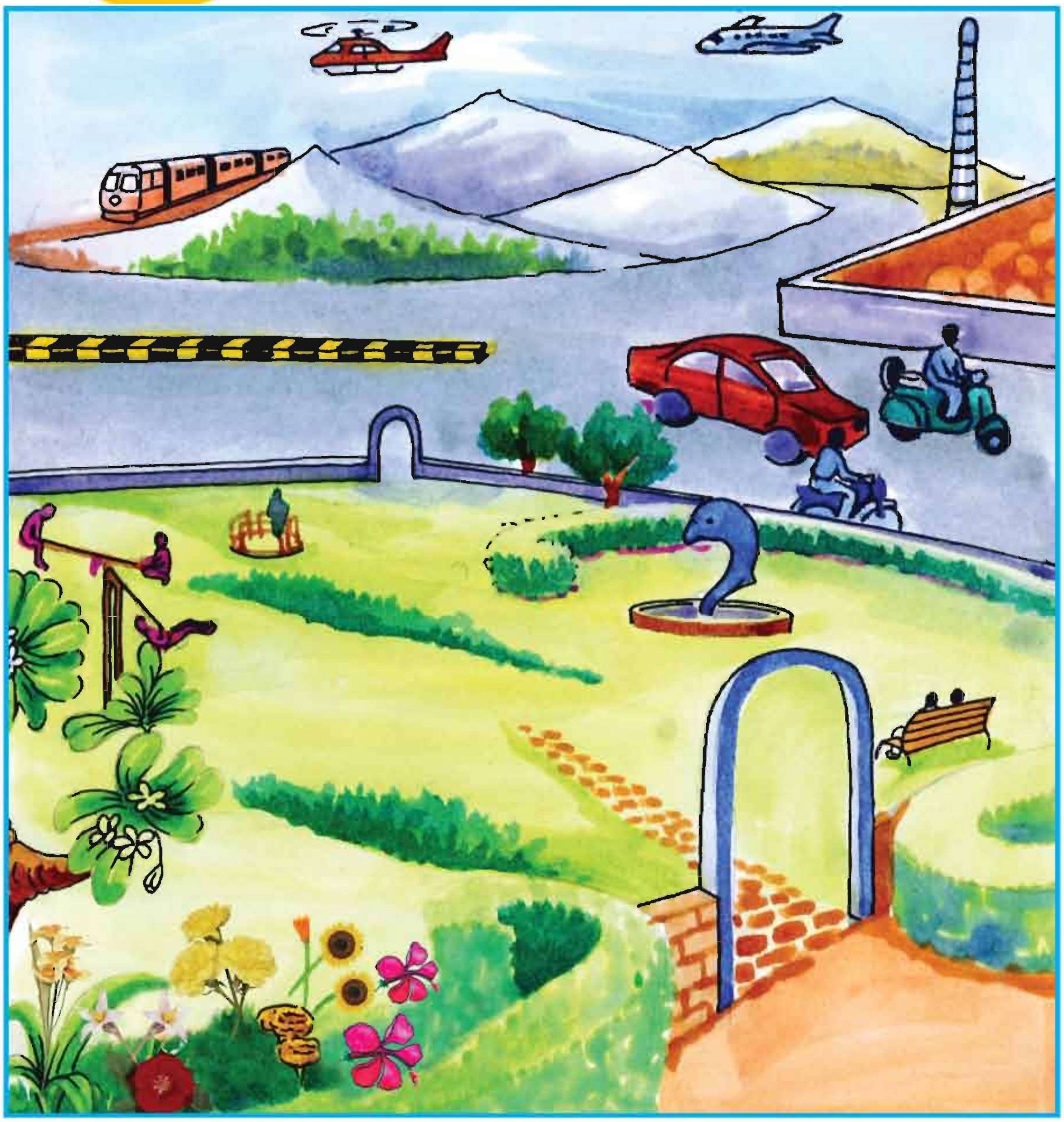

अभ्यास

1. चित्र देखकर फूलों के नाम की सूची बनाइए।
2. चित्र में नहीं हैं, ऐसे फूलों की सूची बनाइए।

3. चित्र देखकर यातायात के साधनों की सूची बनाइए।

4. उन यातायात के साधनों के नाम बताइए जो चित्र में नहीं हैं।

5. आपने जिन यातायात के साधनों के नाम लिखे हैं, उन्हें नीचे दी गई तालिका में वर्गीकृत कीजिए :

तालिका - 1

दो पहियोंवाले	तीन पहियोंवाले	चार पहियोंवाले	चार से अधिक पहियोंवाले

तालिका - 2

सड़क पर चलने वाले यातायात के साधन	हवा में उड़ने वाले यातायात के साधन	पानी में चलने वाले यातायात के साधन

6. नीचे दिए गए टिकट का चित्र देखकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

G.S.R.T.C.
IDER DEPOT
No : 008720 17/10/11
05:01:09
HADAD CHILODA
TOT. DISTANCE : 135 KMS
GUJARAT FARE : 90.00
TOLL : 1.00 INS : 0.00 HR : 0.00
FULL : 1 X 91.00 = 91.00
Rs. 91.00
031811 333 DD 481069421
NOT TRANSFERABLE

(1) यह क्या है?

(2) बस का टिकट कहाँ से कहाँ तक का है?

(3) रेलवे का टिकट कहाँ से कहाँ तक का है?

(4) बस के टिकट में किराया कितना लिखा है?

(5) रेलवे का टिकट पढ़कर किराया बताइए।

(6) रेलवे टिकट का दिनांक बताइए।

(7) बस और रेल के अलावा कहाँ–कहाँ टिकट लगता है?

7. नीचे दिए गए चित्र का अवलोकन करके भेद स्पष्ट कीजिए :

चित्र 1

चित्र 2

स्वाध्याय

1. तुम किस प्रकार जाते हो ?

(1) मामा के घर ____________

(2) सिनेमा देखने ____________

(3) स्कूल ____________

(4) बाजार ____________

2. तुमने इनमें से किसकी सवारी की है? अगर 'हाँ' तो (✔) 'ना' तो (✘) का निशान लगाओ :

सवारी	मैंने सवारी की है।	मैंने सवारी नहीं की है।

3. पढ़िए, समझिए और (✔) का निशान लगाइए :

सवारी	टिकट लगेगा	पैसा लगेगा	मुफ्त

			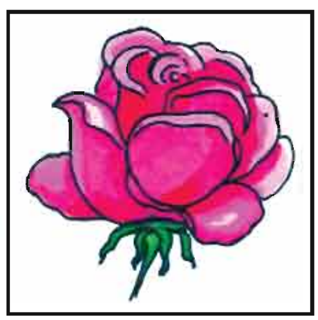
______	______	______	______

5. निम्नलिखित चित्रों के आधार पर कहानी लिखिए :

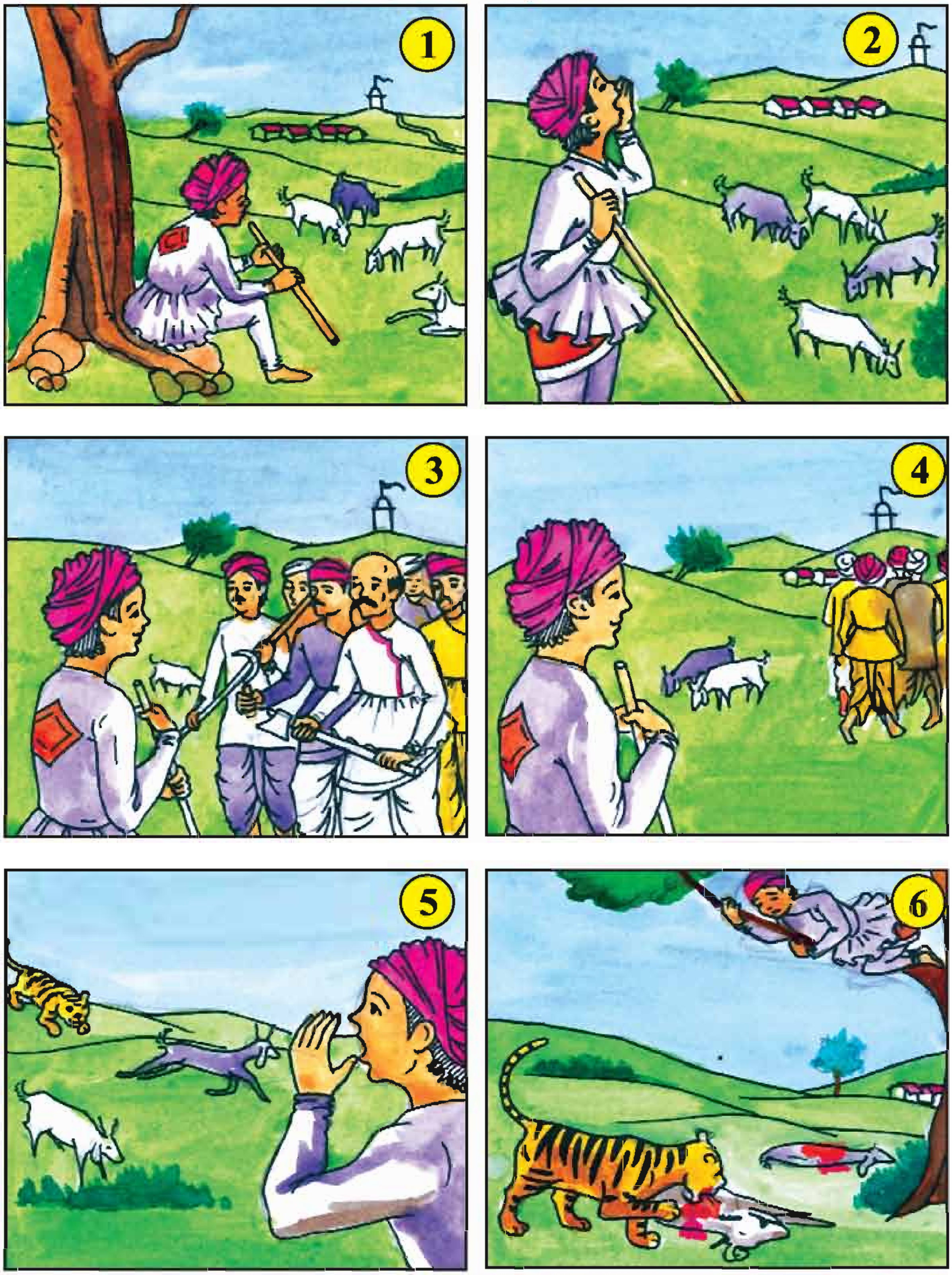

6. मातृभाषा में अनुवाद कीजिए :

(1) कमल हमारा राष्ट्रीय फूल है।

(2) मधुमक्खियाँ फूल पर बैठती हैं।

(3) मुझे बैलगाड़ी में बैठना पसंद है।

(4) ऑटोरिक्शा के तीन पहिए होते हैं।

योग्यता-विस्तार

इतना जानिए

સાઈકલ	–	साइकिल	સ્કૂટર	–	स्कूटर
રિક્ષા	–	रिक्शा	બસ	–	बस
ટ્રેન	–	ट्रेन	હેલિકૉપ્ટર	–	हेलीकॉप्टर
વિમાન	–	विमान	જહાજ	–	जहाज़
સ્ટીમર	–	स्टीमर	ગાડી	–	कार
બળદગાડુ	–	बैलगाड़ी	ઊંટગાડી	–	ऊँटगाड़ी
ઘોડાગાડી	–	घोडागाड़ी, ताँगा	મોટરસાઈકલ	–	मोटरसाइकिल

2 गिनती (२१ से ५०)

- **पढ़िए, समझिए और लिखिए :**

जैसे : १   १   एक   एक

१		एक		११		ग्यारह	
२		दो		१२		बारह	
३		तीन		१३		तेरह	
४		चार		१४		चौदह	
५		पाँच		१५		पन्द्रह	
६		छः		१६		सोलह	
७		सात		१७		सत्रह	
८		आठ		१८		अठारह	
९		नौ		१९		उन्नीस	
१०		दस		२०		बीस	

- पढ़िए, समझिए, बोलिए और लिखिए :

जैसे : २१ <u>२१</u> इक्कीस <u>इक्कीस</u>

२१		इक्कीस		३६		छत्तीस	
२२		बाईस		३७		सैंतीस	
२३		तेईस		३८		अड़तीस	
२४		चौबीस		३९		उनतालीस	
२५		पच्चीस		४०		चालीस	
२६		छब्बीस		४१		इकतालीस	
२७		सत्ताईस		४२		बयालीस	
२८		अट्ठाईस		४३		तैंतालीस	
२९		उनतीस		४४		चवालीस	
३०		तीस		४५		पैंतालीस	
३१		इकतीस		४६		छियालीस	
३२		बत्तीस		४७		सैंतालीस	
३३		तैंतीस		४८		अड़तालीस	
३४		चौंतीस		४९		उनचास	
३५		पैंतीस		५०		पचास	

अभ्यास

1. इक्कीस से पचास तक की गिनती को क्रमिक मिलाकर चित्र बनाइए :

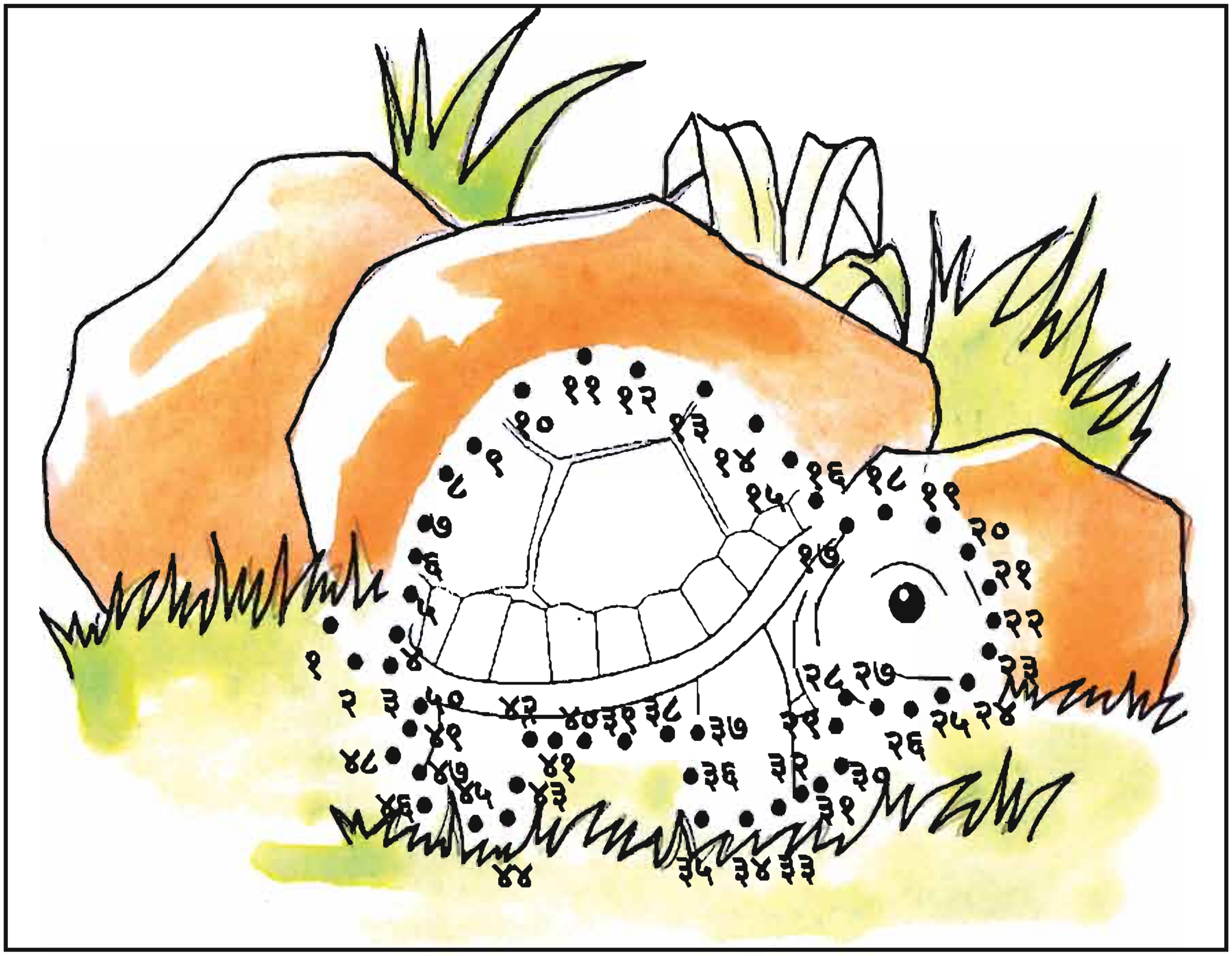

स्वाध्याय

1. अंकों में लिखिए :

बाईस ________	सैंतीस ________	छियालीस ________
उनतीस ________	पच्चीस ________	अट्ठाईस ________
अड़तालीस ________	इकतीस ________	तैंतीस ________
चवालीस ________	पचास ________	बयालीस ________

2. सही जोड़े मिलाइए :

	अ		ब
☐	४१	(क)	पैंतालीस
☐	४५	(ड)	छब्बीस
☐	४८	(इ)	अड़तालीस
☐	२६	(ई)	उनचास
☐	४९	(उ)	इकतालीस

3. आओ, खेलें खेल :

माचिस की तीन खाली डिब्बियों को एक के ऊपर एक रखते हुए आपस में चिपका लें। उस पर रंगीन कागज़ चिपकाकर छः तक गिनती लिखें। पासा तैयार है। अब इस पासे से खेलिए और गिनती का अभ्यास करते जाइए।

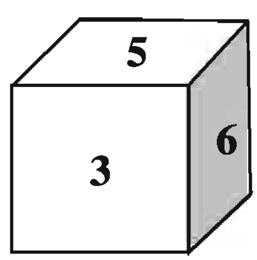

५० पचास हुर्रे ! जीत गए।	**४९ उनचास** मेढक की चाल चलो।	**४८ अड़तालीस** नहाने का अभिनय करो।	**४७ सैंतालीस** आपके भाई को कौन-सी मिठाई पसंद है?	**४६ छियालीस** यातायात के तीन साधनों के नाम बोलो।
४१ इकतालीस तीन अंक नीचे चले जाओ।	**४२ बयालीस** घोड़ागाड़ी चलाने का अभिनय करो।	**४३ तैंतालीस** 'र' से बननेवाले दो शब्द बताओ।	**४४ चवालीस** 'ए' की आवाज़ निकालो।	**४५ पैंतालीस** फूल सूँघने का अभिनय करो।
४० चालीस फिर से बारी लो।	**३९ उनचालीस** 'म' से बननेवाले दो शब्द बताओ।	**३८ अड़तीस** कहानी सुनाओ।	**३७ सैंतीस** तीन अंक आगे चलो।	**३६ छत्तीस** बीस चुटकियाँ बजाओ।
३१ इकतीस एक कदम ऊपर जाओ।	**३२ बत्तीस** मोर की आवाज़ निकालो।	**३३ तैंतीस** दोनों हाथों की ऊँगलियाँ गिनकर दिखाओ।	**३४ चौंतीस** एक अच्छा चुटकुला सुनाओ।	**३५ पैंतीस** घर का चित्र बनाओ।
३० तीस फिर से बारी लो।	**२९ उनतीस** ३९ पर जाओ।	**२८ अट्ठाईस** अपने दोस्त का नाम बताओ।	**२७ सत्ताईस** 'प' से बननेवाले दो शब्द बताओ।	**२६ छब्बीस** दो अंक पीछे चले जाओ।
२१ इक्कीस जोर से मुस्कराओ।	**२२ बाईस** दो कदम आगे चलो।	**२३ तेईस** तीन ताली बजाओ।	**२४ चौबीस** केला खाने का अभिनय करो।	**२५ पच्चीस** कोयल की आवाज़ निकालो।

3 नन्हा मुन्ना राही हूँ

– शकील बदायुँनी

इस गीत में बाल सैनिक देश को आगे बढ़ाने की भावना व्यक्त करता है। उसकी इच्छा है कि आगे बढ़ते वक्त चाहे कितनी ही बाधाओं का सामना करना पड़े फिर भी मंज़िल प्राप्त न हो तब तक वह डटकर बाधाओं का सामना करता रहेगा। देश में रहनेवाले लोग शांति से रहें, एक दूसरे से प्रेमपूर्ण व्यवहार करें ऐसी बच्चे की भावना है।

नन्हा मुन्ना राही हूँ, देश का सिपाही हूँ
बोलो मेरे संग जयहिन्द... जयहिन्द... जयहिन्द
रस्ते पे चलूँगा न डर–डर के,
चाहे मुझे जीना पड़े मर–मर के,
मंजिल से पहले न लूँगा कहीं दम,
आगे ही आगे बढ़ाऊँगा कदम।
दाहिने – बायें, दाहिने – बायें... थम... नन्हा–मुन्ना ○
धूप में पसीना मैं बहाऊँगा जहाँ,
हरे–हरे खेत लहराएँगे वहाँ,
धरती पे पापी न पाएँगे जनम,
आगे ही आगे बढ़ाऊँगा कदम।
दाहिने – बायें, दाहिने – बायें... थम... नन्हा–मुन्ना ○
बड़ा हो के देश का सहारा बनूँगा,
दुनिया की आँखों का तारा बनूँगा
रखूँगा ऊँचा तिरंगा हरदम,

आगे ही आगे बढ़ाऊँगा कदम।

दाहिने – बायें, दाहिने – बायें... थम... नन्हा–मुन्ना ○

शांति की नगरी है मेरा यह वतन,

सबको सिखाऊँगा मैं प्यार का चलन।

दुनिया में गिरने नहीं दूँगा कहीं बम,

आगे ही आगे बढ़ाऊँगा कदम।

दाहिने – बायें, दाहिने – बायें... थम... नन्हा–मुन्ना ○

– शकील बदायुँनी

शब्दार्थ

नन्हा छोटा **धूप** तड़को (गुज़्र) **राही** मुसाफिर, यात्री **सिपाही** सैनिक **वतन** देश (जन्मभूमि) **मंजिल** लक्ष्य, ध्येय **चलन** व्यवहार, आचरण **दम** साँस **बम** विस्फोटक पदार्थों का बना हुआ गोला **कदम** पैर

मुहावरे

आँखों का तारा बहुत प्यारा

अभ्यास

1. उत्तर दीजिए :

(1) ऐसे कार्य बताओ जो तुम देशसेवा के लिए करना चाहते हो या करते हो।

(2) अगर तुम सिपाही होते तो क्या करते?

(3) एक सैनिक लड़ते–लड़ते घायल हो गया तो वह क्या सोचता होगा?

(4) हम अपने राष्ट्रध्वज को तिरंगा क्यों कहते हैं? इसके रंगों के अर्थ बताओ।

2. इस गीत में बच्चे द्वारा देशसेवा के लिए कुछ काम करने की भावना व्यक्त हुई है। गीत पढ़कर बताओ कि क्या होगा जब–

(1) बच्चा धूप में पसीना बहाएगा–

(2) दुनिया में कहीं बम नहीं गिरेंगे–

(3) बच्चा मंजिल से पहले कहीं दम नहीं लेगा–

(4) धरती पर पापी जन्म नहीं लेंगे–

3. गीत में एक पंक्ति है – 'बोलो मेरे संग जयहिन्द जयहिन्द'। यह एक नारा है जो हम कई अवसरों पर बोलते हैं। सोचो और बताओ –

(1) तुमने यह नारा किन अवसरों पर बोला है?

(2) इस नारे के अलावा आप और कौन–से नारे बोलते हैं?

4. इस गीत में बच्चे ने अपने आपको देश का सिपाही बताया है। तुम भी बड़े होकर कुछ न कुछ बनना चाहते होगे। बताओ –

(1) बड़े होकर तुम क्या बनना चाहते हो?

(2) क्यों बनता चाहते हो?

स्वाध्याय

1. प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(1) धूप में पसीना बहाने से क्या होगा?

(2) दुनिया की आँखों का तारा कौन बनेगा?

(3) नन्हा राही सबको क्या सिखाएगा?

(4) नन्हा राही दुनिया में क्या गिरने नहीं देगा?

(5) देश का सिपाही कौन है?

(6) नन्हा राही रास्ते पर कैसे चलेगा?

2. निम्नलिखित शब्दों का विलोम (विरोधी) शब्द ढूँढ़कर लिखिए :

आगे	बड़ा	नीचा	छाँव
दायाँ	धूप	पीछे	बायाँ
धरती	ऊँचा	छोटा	आकाश

उदाहरण : आगे X पीछे

उपर्युक्त विलोम शब्द आधारित वाक्य बनाइए।

उदाहरण : सब बच्चे आगे चले जा रहे थे।
कोई भी बच्चा पीछे नहीं रहना चाहता।

3. नीचे दिए गए शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द सामने दिए गए आयत में से ढूँढ़कर लिखिए :

राही	______,	______	फौज़ी, राह,
सिपाही	______,	______	मुसाफिर, धरा,
धरती	______,	______	पंथ, लक्ष्य,
रास्ता	______,	______	पृथ्वी, ध्येय,
मंजिल	______,	______	सैनिक, पंथी,

4. मातृभाषा में अनुवाद कीजिए :

(1) धरती पर पापी जनम नहीं लेंगे।

(2) बच्चे रास्ते पर बिना डरे चल पाएँगे।

(3) मैं देश का सिपाही हूँ।

(4) दुनिया में कहीं भी बम नहीं गिरेगा।

(5) हमारे देश का नाम भारत है।

5. निम्नलिखित भावार्थ से संबंधित पंक्तियाँ कविता में से ढूँढ़कर लिखिए :

(1) नन्हा राही बिना डरे रास्ते पर चलेगा।

(2) नन्हा राही मंजिल पाए बिना दम नहीं लेगा।

(3) नन्हा राही सबका प्यारा बनेगा।

(4) हमारा देश शांतिप्रिय है।

6. उचित शब्द चुनकर वाक्य पूर्ण कीजिए :

(1) लड़के खेल ______________ । (रहा है, रहे हैं)

(2) ______________ क्रिकेट खेलता हूँ। (मैं, हम)

(3) आप कहाँ जा रहे ______________ ? (हैं, है)

(4) ______________ किताबों में से आपकी किताब कौन-सी है? (ये, इन)

(5) हम ______________ । (पढ़ता है, पढ़ते हैं)

7. कविता के आधार पर 'देश' या 'सिपाही' के बारे में पाँच-सात वाक्य लिखिए।

8. इस गीत में बच्चे ने सिपाही बनकर देश की सेवा करने की भावना व्यक्त की है। सोचो, क्या देश की सेवा केवल सिपाही बनकर ही की जा सकती है? बताओ/लिखो देश की सेवा कैसे करते हैं -

(1) किसान (2) शिक्षक (3) खिलाड़ी (4) कलाकार (5) आप

योग्यता-विस्तार

- आप प्रसार भारती के माध्यम से प्रसारित कार्यक्रमों में से देशभक्ति के गीत सुनकर याद करें।
- देशभक्ति के गाने पसंद करके संग्रह कीजिए। दूरदर्शन पर प्रसारित 26 जनवरी या 15 अगस्त के कार्यक्रमों को देखकर चर्चा कीजिए।

✷

4 सोच अपनी-अपनी

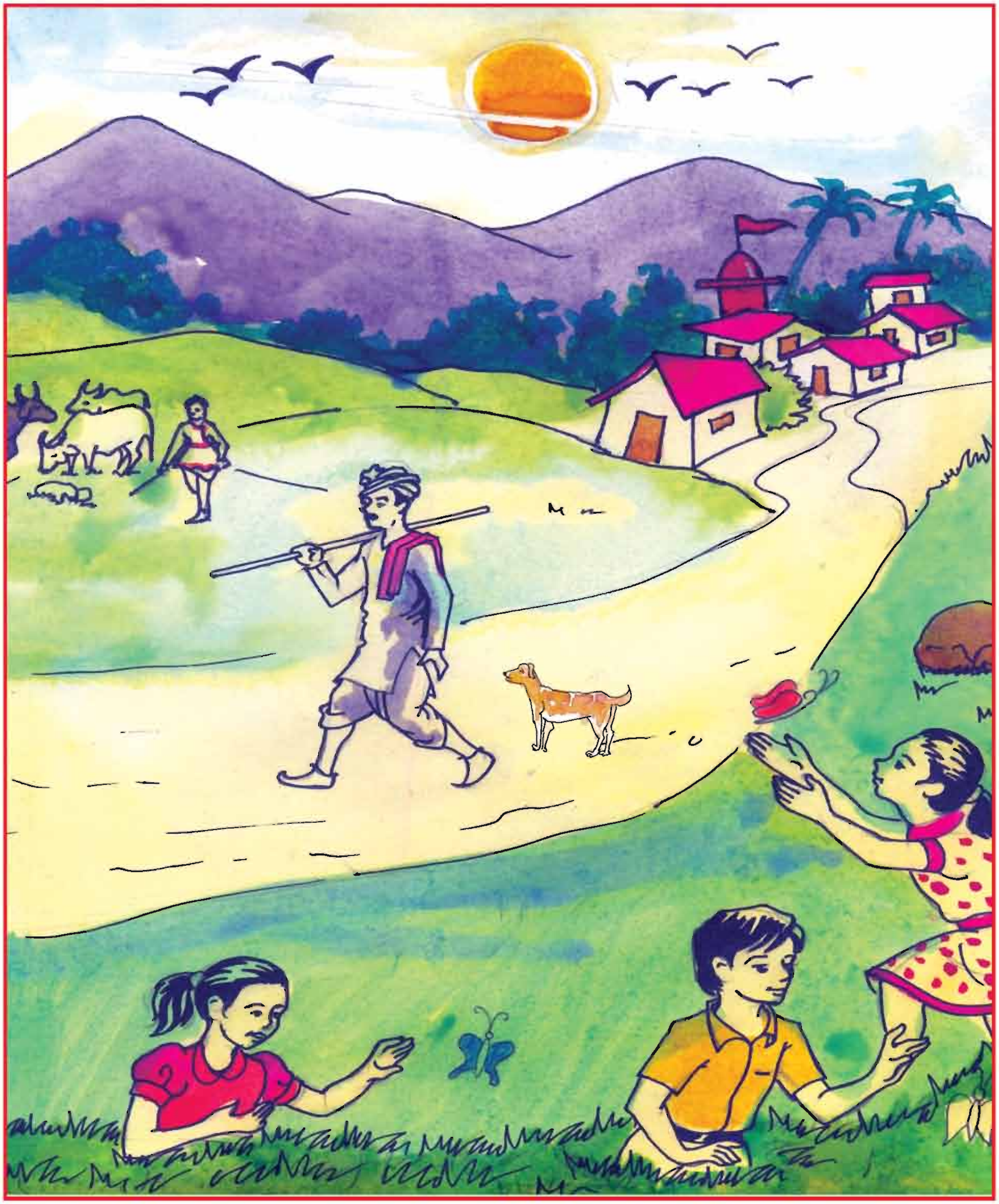

अभ्यास

1. प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) सूरज निकलने पर पक्षी क्या कर रहे हैं?

(2) चरवाहा क्या कर रहा है?

(3) नारियल के कितने पेड़ हैं?

(4) चित्र में घर कितने हैं?

(5) बच्चे बगीचे में क्या कर रहे हैं?

(6) चरवाहे के हाथ में क्या है?

2. सोचकर बताइए :

(1) चरवाहे क्या सोचते होंगे?

(2) सूरज निकलने पर क्या-क्या होता है?

(3) तुम बगीचे में होते तो क्या करते?

(4) कुत्ता क्या सोच रहा होगा?

3. चित्र के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

व्यापारी क्या ले जा रहा है ?

व्यापारी टोकरी कहाँ रखता है ?

पेड़ के ऊपर कौन है ?

बंदरों ने टोपियों का क्या किया ?

व्यापारी ने क्या किया ?

बंदरों ने टोपियाँ क्यों फेंक दी ?

व्यापारी क्या कर रहा है ?

4. नीचे दिए गए चित्र के आधार पर पाँच वाक्य लिखिए :

पुनरावर्तन 1

1. निम्नलिखित संख्या के शब्दों को ढूँढ़कर, नीचे क्रम में लिखिए :

(२६, २५, ४५, २२, २३, ३६, ४४, ४६, ३१, ३०, ३२, ४१)

छ	त्ती	स	छि	प	च्ची	स
ब्बी	या	ती	या	इ	इ	झ
स	स	बी	ली	क	क	ब
च	वा	ली	स	ता	ती	त्ती
तैं	क	पैं	ता	ली	स	स
चा	सै	बा	ई	स	छ	ज
ते	ई	स	स	र	म	च

(1) ____________ (7) ____________

(2) ____________ (8) ____________

(3) ____________ (9) ____________

(4) ____________ (10) ____________

(5) ____________ (11) ____________

(6) ____________ (12) ____________

2. ऊपर आपने जो शब्द लिखे उनका उच्चारण कीजिए।

3. नीचे दिए गए चित्रों को देखकर कहानी पूर्ण कीजिए। पूरा करने में दिए गए शब्दों की मदद ले सकते हैं :

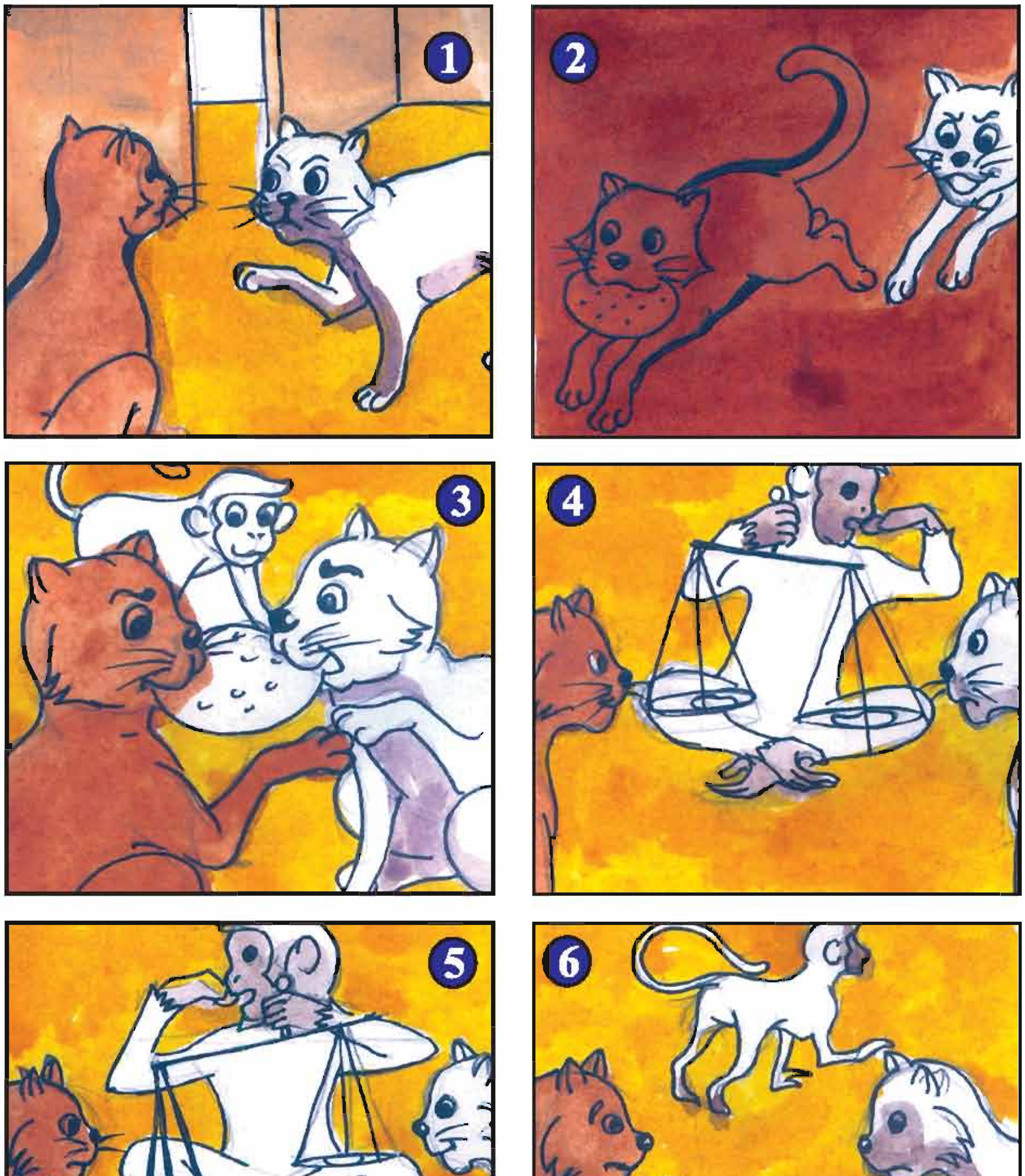

¤ **सही विकल्प चुनकर 'बंदर बाँट' कहानी लिखिए :**

> सफेद, काली, बंदर, झगड़ने, भारी, सारी, दो,
> रोटी, भूख, तराजू, टुकड़ा, पछतावा, हलका

एक बार की बात है। दो बिल्लियाँ थीं। एक ________ और एक ________। दोनों को ________ लगी। उन्हें एक ________ मिली। वे एक रोटी के लिए ________ लगीं। इतने में एक ________ आया। वह ________ लाया। उसने रोटी के ________ टुकड़े किए। उसने टुकड़े ________ में रख दिए। तराजू का एक पलड़ा ________ था। तो दूसरा ________। उसने भारी पलड़े के टुकड़े में से थोड़ा-सा ________ तोड़कर खा लिया। इस तरह उसने ________ रोटी खा ली। दोनों बिल्लियों को बहुत ________ हुआ।

4. अपनी पाठशाला के बारे में दस से बारह वाक्य बोलिए।

5. आपको पाठशाला में –

(1) क्या – क्या पसंद है...? (2) क्या नापसंद है...?

✷

5 चिड़ियाघर की सैर

इस इकाई में चिड़ियाघर के कुछ जानवरों के बारे में बताया गया है।

कल गीता अपने दादा जी के साथ चिड़ियाघर गई थी। उसने देखा कि के पिंजरे के पास बहुत भीड़ थी। शेर गरजा तो सब डरकर पीछे हट गए। सामने लोग को और खिला रहे थे। दादा जी ने कहा – देखो, वह लिखा है – चिड़ियाघर के जानवरों को खाना देना मना है। गीता बोल उठी, ''दादा जी ! वह देखिए काले मुँह का बंदर।'' दादा जी हँस पड़े और बोले, बिटिया वह है। लंगूर का मुँह काला होता है। एक जगह दिखाई दिया जिसकी नाक पर बड़ा–सा सींग था। साथ वाले बाड़े में लंबी गरदन वाला धीरे–धीरे टहल रहा था। गीता दादा जी को खींचते हुए आगे ले गई। वहाँ दो पैरों पर खड़ा था। एक तालाब में रंग–बिरंगी और तैर रही थीं। गीता ने दादा जी को दूसरी ओर इशारा करके दिखाते हुए कहा ''दादा जी, दादा जी ! वह देखिए पत्थर चल रहा है।'' दादा जी उसे समझाते हुए बोले–''बिटिया, यह है। जब इसे डर लगता है तो वह अपनी गरदन और हाथ–पैर अपने खोल में छिपा लेता है। खोल इसका रक्षक है।'' गीता दौड़कर आगे गई। एक बड़े तालाब में तैर रहे थे। जैसे ही एक ने मुँह खोला, गीता ने डरकर दादा जी का हाथ पकड़ लिया। कुछ और आगे एक बड़ा– सा पिंजरा था। उसमें बहुत–सी थीं। गीता ने खुशी से ताली बजाई और कहा – वह देखो हरियल । दादा जी ने कहा – ''हाँ और उधर देखो वह सफेद वाला विदेशी है, इसे कातुआ कहते हैं। गीता चहककर बोली, दादा जी कुछ चिड़ियाँ तो हमारे घर के पास भी दिखाई देती हैं जैसे । पिछले साल पिकनिक पर हमने बाग में नाचता हुआ भी देखा था। दादा जी ने गीता को बताया कि सबसे बड़ा पक्षी होता है। वह देखो शुतुरमुर्ग पेड़ की छाया में खड़ा है।

चिड़ियाघर में और की सवारी भी कर सकते हैं। सामने का एक ठेला था। दादा जी ने अपनी टिकाई और गीता के लिए खरीदी। अब तक दोनों थक चुके थे। वे चिड़ियाघर के से बाहर आए। पकड़ी और अपने घर आ गए।

शब्दार्थ

चिड़ियाघर वह जगह जहाँ पशु-पक्षी देखने के लिए रखे जाते हैं **बाड़ा** घिरा हुआ स्थान **खोल** कछुए के ऊपर का सख्त भाग **लंगूर** एक विशेष प्रकार का बंदर जिसका मुँह काला तथा पूँछ लम्बी होती है **हरियल** हरे रंग वाला

अभ्यास

1. ऊँची आवाज़ में पढ़िए :

(1) (क्ष) रक्षक रक्षा पक्षी

(2) (त्र) पत्र नेत्र पुत्र

(3) (ज्ञ) आज्ञा ज्ञान प्रज्ञा

(4) (श्र) श्रम परिश्रम विश्राम

2. पढ़िए और लिखिए :

(1) मक्खन ________ मक्खी ________ (क्ख)

(2) मच्छर ________ मगरमच्छ ________ (च्छ)

(3) चिट्ठी ________ गट्ठर ________ (ट्ठ)

3. **निम्नलिखित अंश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :**

कुछ अजब, कुछ गजब

● अगर आप कभी गौर करेंगे तो आपको पता चलेगा कि छोटे बच्चे अपनी पलकों को एक मिनट में औसतन एक से दो बार झपकाते हैं, जबकि वयस्कों में यही संख्या करीब 10 होती है। ● हमारे शरीर को एक वक्त का खाना पचाने या हजम करने में करीब 12 घंटों का समय लगता है। ● क्या आपको पता है कि हमारे यानी मानव शरीर में नाक व कान दो ऐसे अंग हैं जिनका आकार पूरे जीवनकाल तक बढ़ता ही रहता है।

(1) छोटे बच्चे और वयस्कों की पलकें झपकने में क्या अंतर है?

(2) हमारे शरीर को कौन-सा कार्य करने में 12 घंटे लगते हैं?

(3) शरीर के ऐसे कौन-से दो अंग हैं जो पूरे जीवनकाल तक बढ़ते रहते हैं?

4. **कोई बहुत धीरे चलता है तो लोग कहते हैं यह कछुए की चाल चल रहा है। अब तुम बताओ कि तेज चाल चलनेवाले को क्या कहेंगे ?**

5. **चिड़ियाघर में जाकर क्या-क्या नहीं करना चाहिए ?**

स्वाध्याय

1. **प्रश्नों के उत्तर दीजिए :**

(1) चिड़ियाघर की सैर के लिए कौन-कौन आए थे?

(2) बंदर को लोग क्या खिला रहे थे?

(3) लंगूर का मुँह कैसा होता है?

(4) तालाब में क्या था?

(5) गीता ने किसे पत्थर बताया?

(6) कछुए का रक्षक क्या है?

(7) विदेशी पक्षी का नाम क्या था?

(8) सबसे बड़े पक्षी का नाम लिखिए ?

2. उदाहरण के अनुसार रेखांकित शब्दों की जगह उचित शब्द रखकर वाक्य पूरा कीजिए :

उदाहरण : पेड़ पर <u>बंदर</u> लटक रहा है। — पेड़ पर <u>बंदरिया</u> लटक रही है।

(1) तालाब में हाथी नहा रहा है। — तालाब में ________ नहा रही है।

(2) रेगिस्तान में ऊँट दौड़ रहा है। — रेगिस्तान में ________ दौड़ रही है।

(3) जंगल में मोरनी नाच रही है। — जंगल में ________ नाच रहा है।

(4) पिंजरे में शेर दहाड़ रहा है। — पिंजरे में ________ दहाड़ रही है।

3. नीचे दिए गए जंगल के दृश्य का वर्णन कीजिए :

4. चित्र के आधार पर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

(1) ________ जोर से गरजा।

(2) चिड़ियाघर में एक सींगवाला ________ था।

(3) तालाब में ________ तैर रही थी।

(4) हरियल ________ टें-टें करता था।

5. चित्र पहचानकर आयत में से उसका हिन्दी नाम ढूँढ़कर लिखिए :

	____________	गैंडा
	____________	केला
	____________	शेर
	____________	भालू
	____________	मछली
	____________	मूँगफली

	____________	गौरैया
	____________	हाथी
	____________	मोर
	____________	तोता
	____________	मगर
	____________	शुतुरमुर्ग

भाषा-सज्जता

शब्दकोश में शब्दों को एक निश्चित क्रम में रखा जाता है। शब्दकोश में शब्दों को ढूँढ़ने का तरीका आगे दिया गया है।

शब्दकोश में हिन्दी वर्णमाला का क्रम :

स्वर : अं, अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ... के बाद

व्यंजन : क, ख, ग, घ, च, छ, ज, ञ, झ, ट, ठ, ड, ढ, ण, त-त्र, थ, द, ध, न, प, फ, ब, भ, म, य, र, ल, व, श, ष, स, ह

कुछ खास बातें

मानो तुम्हें 'क' वर्ण से शुरू होने वाले शब्द ढूँढ़ना है, शब्दकोश में उनका क्रम इस प्रकार होगा :

कंगाल, कपूर, कारावास, किलकारी, कीर्ति, कुदाल, कूप, कृषि, केंद्र, केतकी, कैदी, कोरा, कौतुक, क्या, क्रम, क्षमा

व्याकरण की दृष्टि से कोई शब्द संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया आदि भेदों में से किस भेद का है, इसकी सूचना आपको इन संकेताक्षरों से मिलेगी। यहाँ जो संकेताक्षर अथवा संक्षिप्त रूप प्रयुक्त हुए हैं, वे इस प्रकार हैं –

पु.	–	पुल्लिंग	स.	–	सर्वनाम
स्त्री.	–	स्त्रीलिंग	वि.	–	विशेषण
क्रि.	–	क्रिया	अ.	–	अव्यय
क्रि.वि.	–	क्रिया विशेषण	क्रि.स.	–	क्रिया सकर्मक
सं.	–	संज्ञा	अं.	–	अंग्रेजी

योग्यता-विस्तार

शेर (સિંહ)	मछली (માછલી)	काकातुआ (કાકા કૌઆ)
बंदर (વાંદરો)	बतख (બતક)	मोर (મોર)
गैंडा (ગેંડો)	कछुआ (કાચબો)	शुतुरमुर्ग (શાહમૃગ)
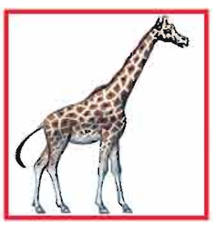 जिराफ़ (જિરાફ)	मगर (મગર)	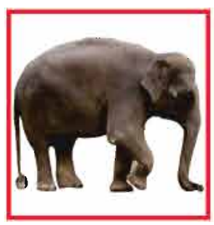 हाथी (હાથી)
भालू (રીંછ)	तोता (પોપટ)	ऊँट (ઊંટ)

6 हँसी का पिटारा

जीवन में हास्य का बहुत ही महत्त्व है। हास्य जीवन में दुःख को भुलाकर नयी उमंग भर देता है। हँसने से स्वास्थ्य अच्छा रहता है।

(1)

बेटा देखना गेहूँ सूख रहा है।
कहीं गाय न खा जाए।

अरे ! अरे ! गधा गेहूँ खा रहा है
और तुम उसे हटा नहीं रहे हो।

आपने तो गाय को हटाने को
कहा था।... यह तो गधा है।

(2) दो दोस्त हिन्दी व्याकरण की तैयारी कर रहे थे।
पहला दोस्त : दीपक मिठाई नहीं खाता। इसमें 'दीपक' क्या है?
दूसरा दोस्त : मूर्ख।

(3) मालिक : (नौकर से) तू कोई भी काम करने से पहले मुझसे पूछ लिया कर।
नौकर (थोड़ी देर बाद) : मालिक ! रसोईघर में बिल्ली दूध पी रही है,
क्या मैं उसे भगा दूँ?

(4) एक आदमी दुकानदार के पास जाकर बोला : जनाब, कुत्ते का बिस्कुट मिलेगा?
दुकानदार बोला : "यहीं खाओगे या घर ले जाओगे?"

(5) रामू (श्यामू को देखकर) : क्यों बे गधे को लेकर कहाँ जा रहा है?
श्यामू : मूर्ख हो क्या ? यह गधा नहीं, कुत्ता है।
रामू : मैं कुत्ते से ही पूछ रहा हूँ।

अभ्यास

1. बच्चों को अपना मनपसंद चुटकुला सुनाने के लिए कहें और प्रोत्साहित करें।

2. पत्रिका में से चुटकुले खोजकर पढ़िए।

3. निम्नलिखित शब्दों का विलोम शब्द ढूँढ़कर लिखिए :

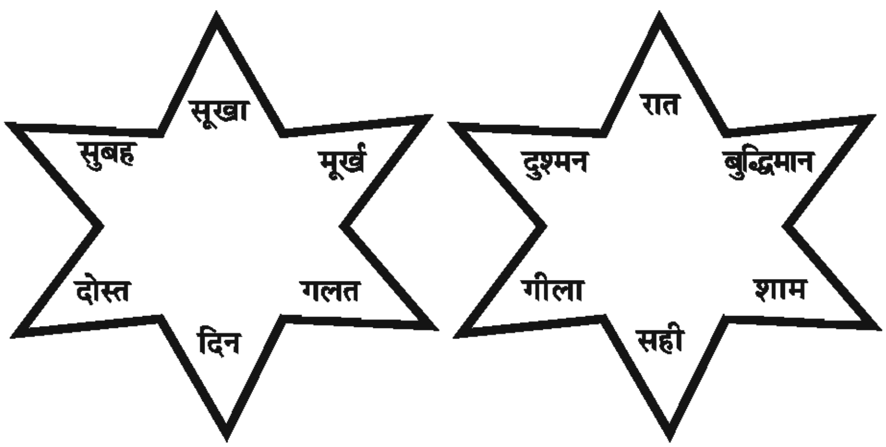

उदाहरण : गलत × सही

¤ **उपर्युक्त विलोम शब्दों पर आधारित वाक्य बनाइए।**

उदाहरण : मैंने सोचा उत्तर सही होगा लेकिन वह गलत था।

4. इन्हें और क्या कहते हैं, छाँटकर लिखिए :

दोस्त	सुबह
मूर्ख	वक्त

समय	प्रातःकाल
मित्र	बेवकूफ

उदाहरण : दोस्त – मित्र

5. उपर्युक्त समानार्थी शब्द आधारित वाक्य बनाइए।

उदाहरण : राजा और कालिदास अच्छे **दोस्त** थे।

राजा और कालिदास अच्छे **मित्र** थे।

7 खाना खज़ाना (चित्रपाठ)

अभ्यास

1. चित्र देखकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) माता रसोईघर में क्या कर रही हैं ?

(2) दादीमाँ क्या कर रही हैं ?

(3) लड़का क्या कर रहा है ?

(4) रसोईघर में कौन–कौन से बर्तन हैं?

(5) टोकरी में कौन–सी सब्जियाँ और कौन से फल हैं?

(6) खिड़की से बाहर क्या दिखाई दे रहा है?

(7) आलमारी के डिब्बे में क्या–क्या है?

(8) आपके रसोईघर में क्या–क्या है जो इस रसोईघर में नहीं है?

(9) माता कहाँ बैठी हैं ?

2. क्या पसंद है, क्या नहीं ? योग्य खाने में ✔ का निशान करो :

चीज का चित्र	नाम लिखो	मजे से खाएँगे	खाना पड़ेगा	बिल्कुल नहीं खाएँगे

3. तुमने अपने रसोईघर में माँ या पिताजी को खाना पकाते हुए देखा होगा। जरा बताओ तो, कैसे बनता है -

(1) बेसन से पकौड़ा

(2) गेहूँ से रोटी

(3) दूध से चाय

4. चित्र में माँ को खाना बनाते हुए दिखाया गया है। क्या खाना बनाना केवल माँ का ही काम है ? नहीं, तो बताओ और कौन-कौन खाना बना सकते हैं?

5. नीचे दिए गए चित्र को देखकर कहानी बनाइए :

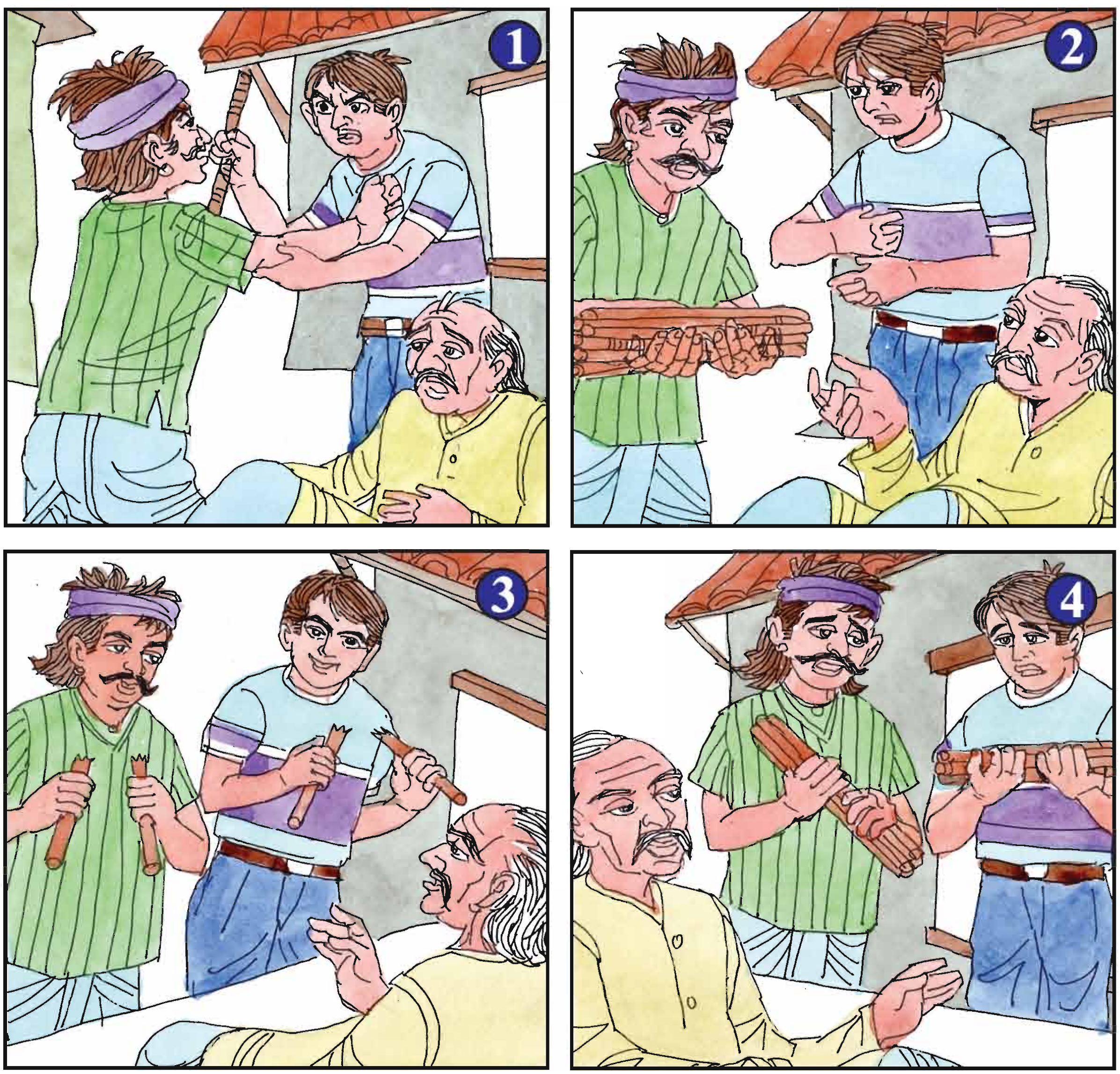

स्वाध्याय

1. दोनों चित्र ध्यान से देखिए चित्र में दस अंतर हैं, उन्हें ढूँढ़कर लिखिए और चित्र में मनचाहा रंग भरिए :

2. पढ़िए, समझिए और लिखिए :

उदाहरण

- **लड़का – लड़का स्कूल जा रहा है।**
- **लड़के – लड़के स्कूल जा रहे हैं।**
- पुस्तक – __________
- _____ – __________
- कमरा – __________
- _____ – __________
- पंखा – __________
- _____ – __________

योग्यता-विस्तार

इतना जानिए

फल के नाम

चीकू	–	ચીકુ	नारियल	–	નારિયેળ
नारंगी	–	નારંગી	फालसा	–	ફાલસા
संतरा	–	સંતરા	शरीफ़ा	–	સીતાફળ
अंगूर	–	દ્રાક્ષ	अनानास	–	અનાનસ
अमरूद	–	જમરૂખ	अनार	–	દાડમ
आम	–	કેરી	ईख	–	શેરડી
केला	–	કેળું	खरबूजा	–	સકરટેટી
खिरनी	–	રાયણ	आरिया	–	ચીભડું
जामुन	–	જાંબુ	तरबूज	–	તરબૂચ

अनाज के नाम

उड़द	–	અડદ	अरहर, तुअर	–	તુવેર
ज्वार	–	જુવાર	चना	–	ચણા
चावल	–	ચોખા	मक्का	–	મકાઈ
बाजरा	–	બાજરી	मूँग	–	મગ
मटर	–	વટાણા			

सब्जी के नाम

अरवी	–	અળવી
कंकोड़ा	–	કંકોડા
फूलगोभी	–	ફુલેવર
लौकी	–	દૂધી
टमाटर	–	ટામેટાં
तुरई, तोरई	–	તૂરિયું
पालक	–	પાલક
प्याज	–	કાંદા, ડુંગળી
बैंगन	–	રીંગણ
मटर	–	વટાણા
रतालू	–	રતાળું
अदरक	–	આદું
शकरकंद	–	શક્કરિયું
जमीकंद, सूरन	–	સૂરણ
करेला	–	કારેલાં
कुम्हड़ा, कद्दू	–	કોળું
गाजर	–	ગાજર
ग्वारफली	–	ગુવારશીંગ
चचरीड़ा, कुनरु	–	ટીંડોળાં
आलू	–	બટાકા
परवल	–	પરવળ
पुदीना	–	ફુદીનો
बंदगोभी	–	કોબીજ
भिंडी	–	ભીંડો
मूली	–	મૂળો

8 भरत मिलाप

माता-पिता की आज्ञा का पालन करने हेतु राम वन में गए। उनके साथ सीता भी गईं। भरत को इस बात का पता चलने पर वे अयोध्या के सिंहासन पर नहीं बैठे, अपितु सिंहासन पर राम की खड़ाऊँ रखकर उन्होंने सेवक की भाँति राजकाज किया। इसलिए कहा है – भाई हो तो भरत जैसा।

(वन का एक भाग। कुटिया के बाहर राम और सीता बैठे हुए हैं। पास ही धनुष-बाण लिए लक्ष्मण खड़े हैं।)

दृश्य 1

राम : भाई लक्ष्मण, जरा देखो तो यह आवाज़ कहाँ से आ रही है?

लक्ष्मण : (इधर-उधर देखकर) प्रभु, सामने से कुछ लोग आते दिखाई दे रहे हैं।

राम : कौन लोग हैं? जरा ध्यान से देखो।

लक्ष्मण : (ध्यान से देखकर) अरे, यह तो भरत है। साथ ही बहुत से लोग हैं। हमें सावधान हो जाना चाहिए। शायद वे लोग लड़ने आ रहे हैं।

राम : (हँसते हुए) भाई लक्ष्मण, तुम तो बिना बात शक करने लगते हो। इतने वर्ष साथ रहकर भी भरत को नहीं पहचाना?

लक्ष्मण : (उत्तेजित होकर) पहचाना क्यों नहीं, उसी माँ का तो बेटा है, जिसने वनवास दिलाया।

सीता : इसमें बेचारे भरत का क्या दोष?

लक्ष्मण : लीजिए, सब लोग इधर ही आ रहे हैं!

दृश्य 2

(भरत दौड़ते हुए कुटिया के निकट आते हैं। उनकी आँखों से आँसू बह रहे हैं। वे राम के चरणों में पड़ते हैं। राम भरत को उठाकर गले लगा लेते हैं।)

भरत : (रोते हुए) मुझे क्षमा कीजिए प्रभु ! आपको वनवास दिलाने में मेरा कोई हाथ नहीं। आप मुझसे बड़े हैं। आप ही को राजा बनना चाहिए। मैं आपको लेने आया हूँ। आप सब अयोध्या चलिए। इन नगरवासियों की भी यही इच्छा है। निराश न कीजिए, प्रभु!

राम : भाई भरत, मैं तुम्हारा प्रेम देखकर प्रसन्न हूँ । किन्तु मैं माता-पिता की आज्ञा का पालन करने वन में आया हूँ। वनवास पूरा करके ही लौटूँगा।

एक नागरिक: नहीं, प्रभु, आपको हमारे साथ चलना ही होगा। आपके बिना प्रजा दु:खी है। प्रजा को सुखी रखना राजा का कर्तव्य है।

राम : नगरजनो, इस समय माता-पिता की आज्ञा का पालन करना मेरा सबसे बड़ा कर्तव्य है। भरत मेरा भाई है। जब तक मैं वनवास पूरा करके न लौटूँ तब तक भाई भरत आप सबके सुख-दु:ख का ध्यान रखेगा। आप उसे राजा मानें, यह मेरा आदेश है।

भरत : (कुछ सोचकर) अच्छा, प्रभु, जैसी आपकी आज्ञा, पर मेरी एक विनती है, उसे स्वीकार करें।

राम : बोलो, क्या चाहते हो?

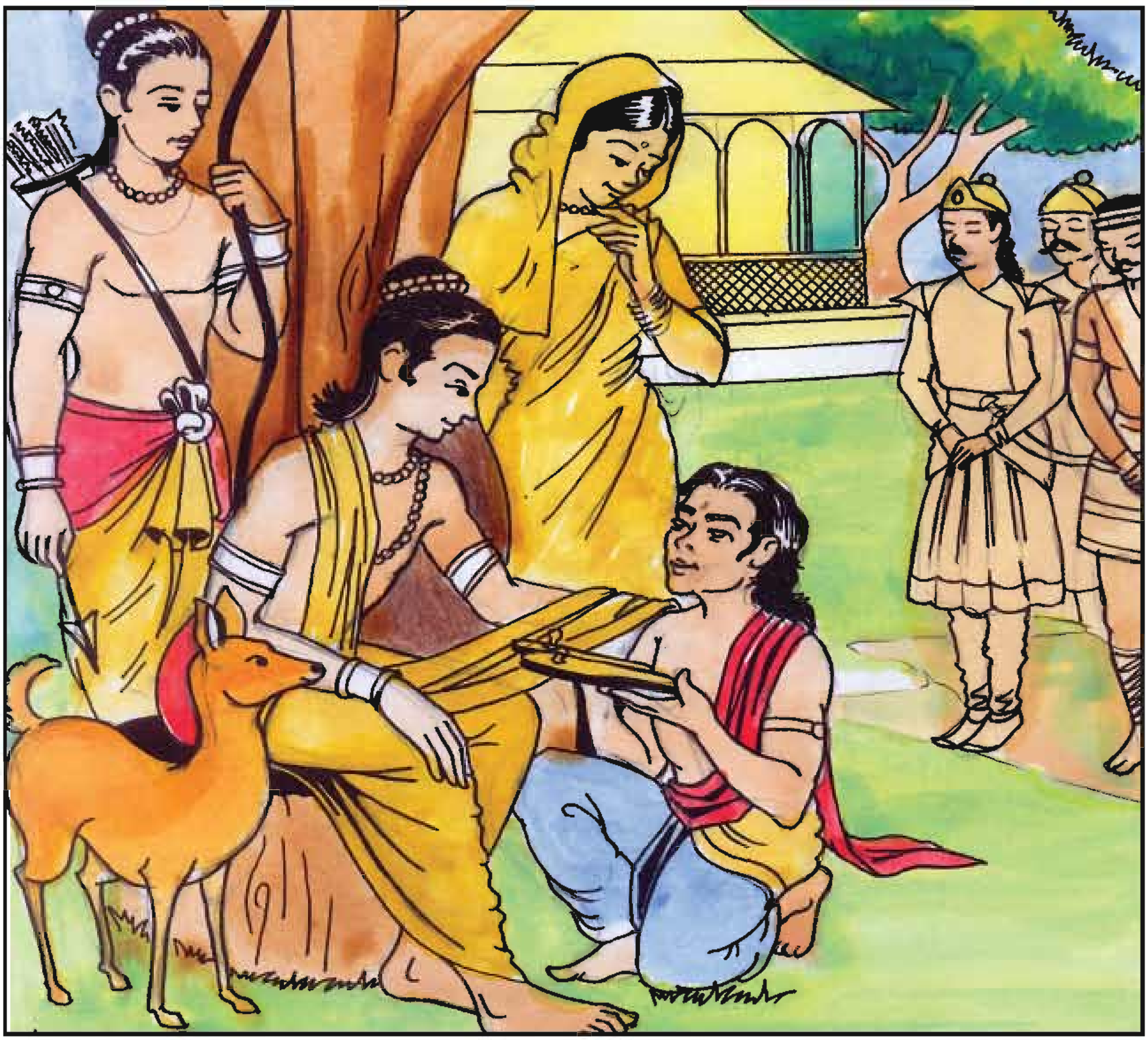

भरत : मुझे आप अपने पाँव की खड़ाऊँ दे दें।

राम : खड़ाऊँ ! खड़ाऊँ का क्या करोगे?

भरत : इन्हें सिंहासन पर रखकर, आपके लौटने तक सेवक की तरह राज-काज करूँगा।

(भरत का प्रेम देखकर राम, सीता और लक्ष्मण गद्‌गद हो जाते हैं। रामचंद्र आगे बढ़कर भरत को गले लगाते हैं। खड़ाऊँ लेकर भरत तथा नगरजन राम और भरत की जय बोलते हुए विदा होते हैं।)

शब्दार्थ

कुटिया झोंपड़ी **शायद** कदाचित **शक** शंका **निकट** नजदीक **चरण** पैर **दोष** अपराध **कर्तव्य** फर्ज **आदेश** हुक्म, आज्ञा **खड़ाऊँ** लकड़ी की बनी पादुका

मुहावरे

उत्तेजित होना गुस्सा होना **गले लगाना** प्यार से मिलना **गद्‌गद होना** पुलकित होना, आनंदित होना

अभ्यास

1. प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) भरत को आते हुए देखकर लक्ष्मण को क्या शंका हुई?

(2) राम को देखकर भरत ने क्या किया?

(3) राम अपना वनवास क्यों पूरा करना चाहते हैं?

(4) राम ने नगरजनों से क्या कहा?

(5) भरत की जगह आप होते तो क्या करते?

2. कोई रेपर यहाँ चिपकाइए और दिए गए रेपर को देखकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) यह किसका रेपर है?

(2) इस रेपर पर क्या कीमत छपी हुई है?

(3) इसका पैकिंग कब हुआ है?

(4) इसका उपयोग कब तक कर लेना चाहिए?

(5) इसके अलावा रेपर में और कौन-सी उपयोगी बातें छपी हैं?

3. नीचे दिए गए कोष्ठक में से सही संकेत चुनकर लिखिए :

(रेलवे क्रॉसिंग अरक्षित, हॉस्पिटल, पैदलयात्री क्रॉसिंग, साइकिल क्रॉसिंग)

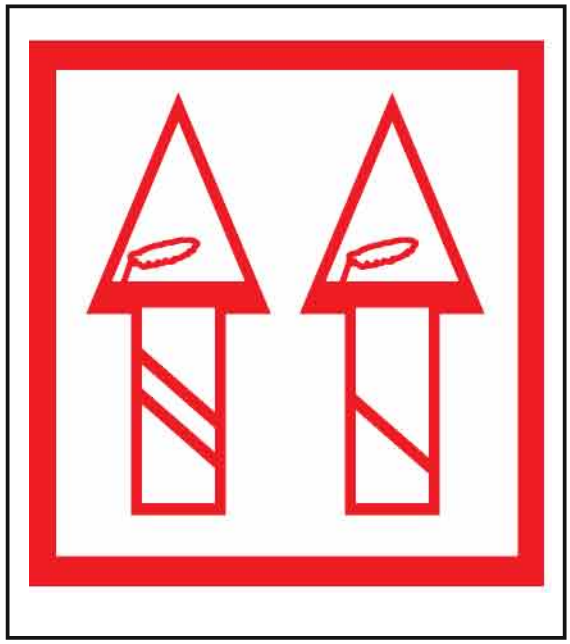

4. ऊँची आवाज़ में पढ़िए और लिखिए :

लक्ष्मण, उपेक्षित, क्षमा, अयोध्या, इच्छा, प्रजा, कर्तव्य, ध्यान, प्रभु, इन्हें

स्वाध्याय

1. प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) राम, सीता और लक्ष्मण कहाँ गए?

(2) राम ने नगरजनों को क्या समझाया?

(3) राम ने भरत को क्या दिया?

(4) भरत ने खड़ाऊँ लेकर क्या करने का सोचा?

(5) आप अपने भाई के साथ कैसा बरताव करते हैं?

2. नीचे दिए गए वाक्यों में 'में' या 'मैं' लगाकर वाक्य पूरा कीजिए :

(1) रोटी को देख बिल्ली के मुँह ____________ पानी आ गया।

(2) ____________ तुझे रोटी न ले जाने दूँगी।

(3) ____________ कहती हूँ कि यह रोटी मेरी है।

(4) दोनों बिल्लयों ____________ झगड़ा हो गया।

(5) रोटी लेने पहले ____________ झपटी थी।

3. जल, थल और पेड़ों पर रहनेवाले पशु-पक्षियों के नाम अलग-अलग लिखिए :

जल में रहनेवाले	थल पर रहनेवाले	पेड़ों पर रहनेवाले
____________	____________	____________
____________	____________	____________
____________	____________	____________
____________	____________	____________
____________	____________	____________
____________	____________	____________

भाषा-सज्जता

अभ्यास : 1

(1) अपना नाम लिखिए : ____________

(2) अपने गाँव / शहर का नाम लिखिए : ____________

(3) अपने दोस्तों के नाम लिखिए :

____________, ____________, ____________

(4) किन्हीं चार नदियों के नाम लिखिए :

____________, ____________, ____________

(5) किन्हीं तीन पर्वतों के नाम लिखिए :

____________, ____________, ____________

आपने जो उपर्युक्त नाम लिखे हैं, उसे संज्ञा (Noun) कहते हैं। किसी भी व्यक्ति, स्थान या वस्तु के नाम को 'संज्ञा' कहते हैं।

◯ सोचो और लिखो, आपके आसपास और क्या-क्या चीजें हैं ? जो 'संज्ञा' हैं।

अभ्यास : 2

1. उचित जोड़े बनाइए :

	अ		ब
(1)	महेश	-	पुस्तक
(2)	हिमालय	-	लड़का
(3)	गंगा	-	पर्वत
(4)	रामायण	-	देश
(5)	भारत	-	नदी

विभाग 'अ' में निर्देशित शब्द - महेश, हिमालय, गंगा, रामायण और भारत नाम निर्देश करते हैं। तथा 'ब' विभागवाले शब्द उनकी जाति का निर्देश करते हैं। अतः ये सभी शब्द 'संज्ञा' हैं।

योग्यता-विस्तार

- छात्रों को रामायण के अन्य प्रसंग सुनाइए।
- रामायण के पात्रों की सूची बनाइए।
- रामायण के कौन-से पात्र आपको पसंद आए और कौन से नहीं ? चर्चा कीजिए।

पुनरावर्तन:2

1. चित्र के आधार पर कहानी बनाकर वर्ग में सुनाइए :

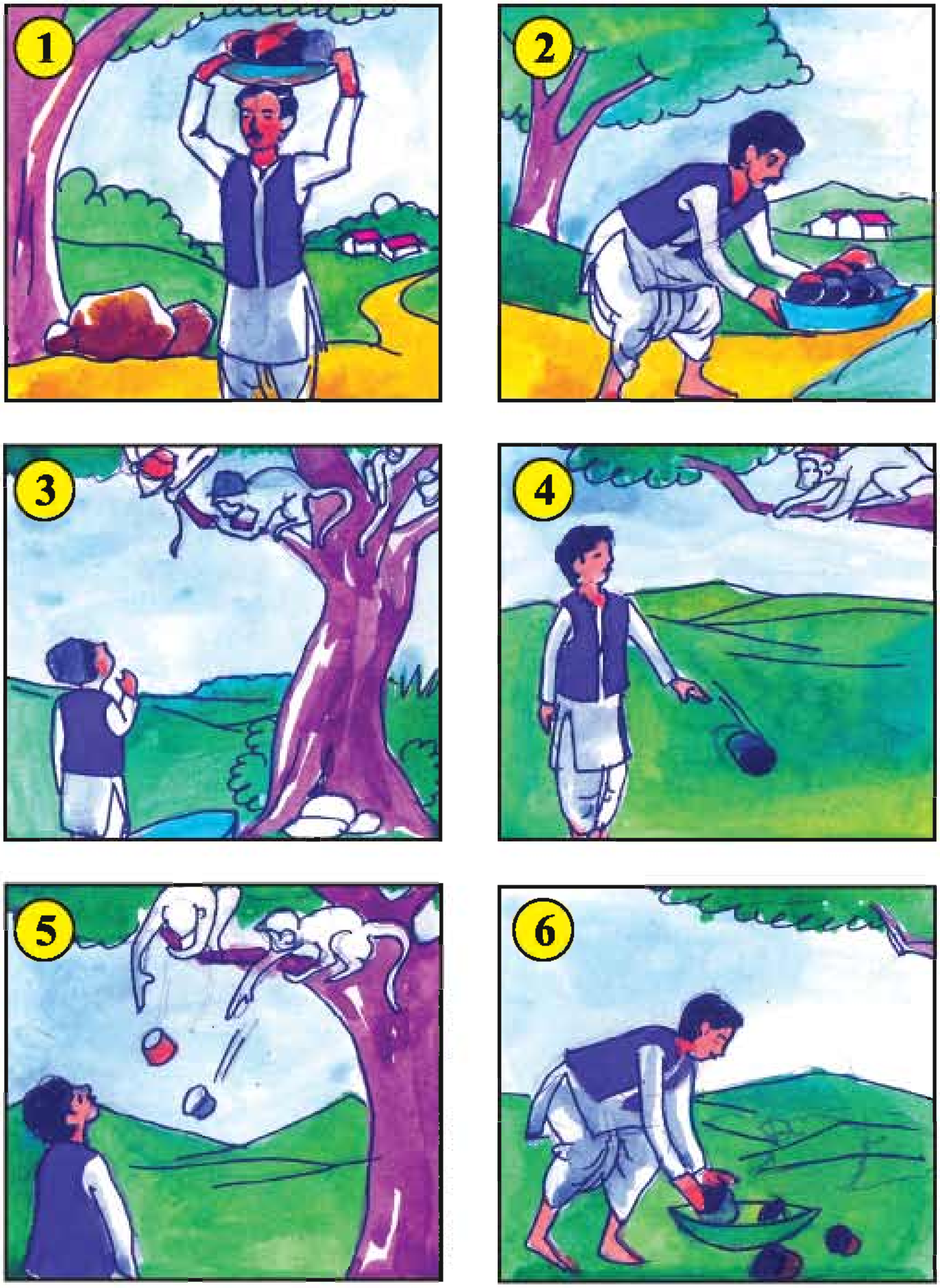

2. दिए गए शब्दों को शब्दकोश के क्रम में रखिए :

साँई, साधु, सार, संपत्ति, साहस, सत्यव्रत, संजोग

3. पढ़िए और लिखिए :

- सिद्धार्थ ____________
- मक्खन ____________
- मच्छर ____________
- शुद्ध ____________
- द्वार ____________
- उद्देश्य ____________

- अच्छा ____________
- चिट्ठी ____________
- मक्खी ____________
- चिह्न ____________
- ख्याति ____________
- मिट्टी ____________

4. समझकर लिखिए (लिंग पहचान)।

1.		____		सेठानी
2.		पुरुष		____
3.		____		लड़की
4.		ग्वाला	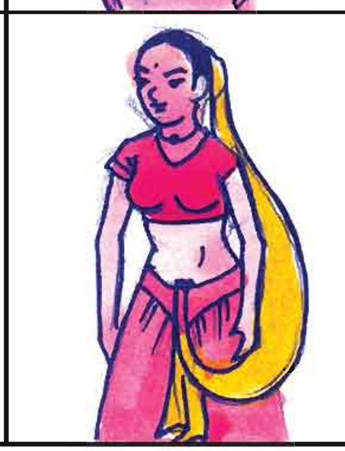	____

5. वचन परिवर्तन कीजिए और वाक्य में प्रयोग कीजिए :

(1) पत्ता ________

____

(2) ________ गुब्बारे

____

(3) टोपी ________

____

(4) ________ केले

____

6. अधूरे वाक्य पूर्ण कीजिए :

(1) बच्चे खेल ________ । (रहा है, रहे हैं)

(2) ________ दौड़ रहा है। (घोड़ा, घोड़े)

(3) ये ________ । (राजा है, राजा हैं)

(4) ________ जा रहा हूँ। (मैं, हम)

(5) हम ________ । (खेल रहा है, खेल रहे हैं)

(6) ________ किताबों में रामायण नहीं है। (ये, इन)

(7) ________ लड़के ने लड्डू दिया। (वह, उस)

(8) हम कबड्डी खेलने ________ । (जाएँगे, जाऊँगा)

मौखिक कसौटी

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) नन्हा राही धूप में क्या बहाएगा ?

(2) सूरज निकलने पर पक्षी क्या कर रहे हैं ?

(3) लंगूर का मुँह कैसा होता है ?

(4) राम, सीता और लक्ष्मण कहाँ गए ?

(5) राम को देखकर भरत ने क्या किया ?

2. यातायात के साधनों के नाम बोलिए :

(1) तीन पहियोंवाले

(2) चार पहियोंवाले

(3) पानी में चलनेवाले

(4) आकाश में उड़नेवाले

(5) दो पहियोंवाले

3. प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) किन्ही पाँच फूलों के नाम बोलिए।

(2) ઘઉં, બાજરી, જુવાર के हिन्दी नाम बोलिए।

(3) रसोईघर के साधनों के नाम बोलिए।

(4) इन्हें गुजराती में क्या कहेंगें ?

कमल, कनेर, गुड़हल, गेंदा

4. निम्नलिखित शब्दों का विरुद्धार्थी शब्द देकर वाक्य में प्रयोग कीजिए :

सुबह, सूखा, दोस्त, दिन, गलत

5. संकेत का अर्थघटन कीजिए :

(1)

(3)

(2) 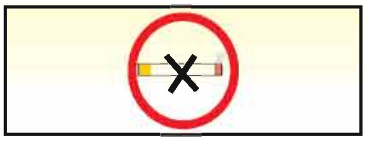

(4)

क्रियात्मक कसौटी

1. 'नन्हा मुन्ना राही हूँ' कविता का अभिनय के साथ गान कीजिए।
2. अंक एवं शब्द पर आधारित फ्लैशकार्ड टोकरी में रखिए। कोई दो ऐसे फ्लैशकार्ड दिखाइए जो अंक एवं शब्द में सही रूप में हों।

उदाहरण :

अंक	शब्द
११	ग्यारह
१७	सत्रह
३९	उनतालीस
२९	उनतीस
४९	उनचास

3. शिक्षक छात्रों को भिन्न-भिन्न रेपर्स देंगे। उनके आधार पर प्रश्न के उत्तर ढूँढ़ने को कहेंगे :

जैसे...

(1) इस रेपर पर कीमत कितनी छपी है ?

(2) यह चीज कब बनी हुई है ?

(3) इस चीज को इस्तेमाल करने की अंतिम तारीख क्या है ?

4. कार्ड पत्ते से उसके समान अर्थ वाले शब्द ढूँढ़कर जोड़े बनाइए :

दोस्त, मूर्ख, वक्त, सुबह, प्रात:काल, समय, मित्र, बेवकूफ

5. उचित पट्टी चुनकर सही वाक्य बनाइए :

(1)	मोहन	देश की रक्षा करता है।
(2)	घोड़ा	पाठशाला जाता है।
(3)	सैनिक	घास खाता है।
(4)	बैल	तेजी से दौड़ता है।

लिखित कसौटी

1. प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(1) नन्हा राही रास्ते पर कैसे चलेगा ?

(2) किन्हीं चार पक्षियों के नाम लिखिए।

(3) बंदर को लोग क्या खिला रहे थे ?

(4) भरत ने खड़ाऊँ लेकर क्या करने का सोचा ?

(5) चार अनाज के नाम लिखिए।

2. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय के बारे में दस वाक्य लिखिए :

(1) मेरा गाँव (2) मेरा परिचय (3) मोर

3. चित्र के आधार पर पाँच वाक्य लिखिए।

4. मातृभाषा में अनुवाद कीजिए :

(1) मुझे चित्र बनाना बहुत पसंद है।

(2) पीले रंग के कपड़े में सीता सुंदर लगती है।

(3) हॉकी हमारा राष्ट्रीय खेल है।

(4) गाय दूध देती है।

(5) हिमालय सबसे ऊँचा पर्वत है।

5. अधूरे वाक्य पूर्ण कीजिए :

(1) लड़कियाँ खेल ______ । (रही हैं, रहा है)

(2) ______ सब बच्चे हैं। (मैं, हम)

(3) यह कुत्ता ______ । (हैं, है)

(4) ______ किताबों में महाभारत की बात है। (इन, इस)

(5) हम ______ । (पढ़ता हैं, पढ़ते हैं)

हिन्दी

(द्वितीय भाषा)

कक्षा 5

(द्वितीय सत्र)

9 कैसा शोर ?

इस इकाई में संवाद के साथ चित्रों द्वारा सब्जियों का परिचय दिया गया है।

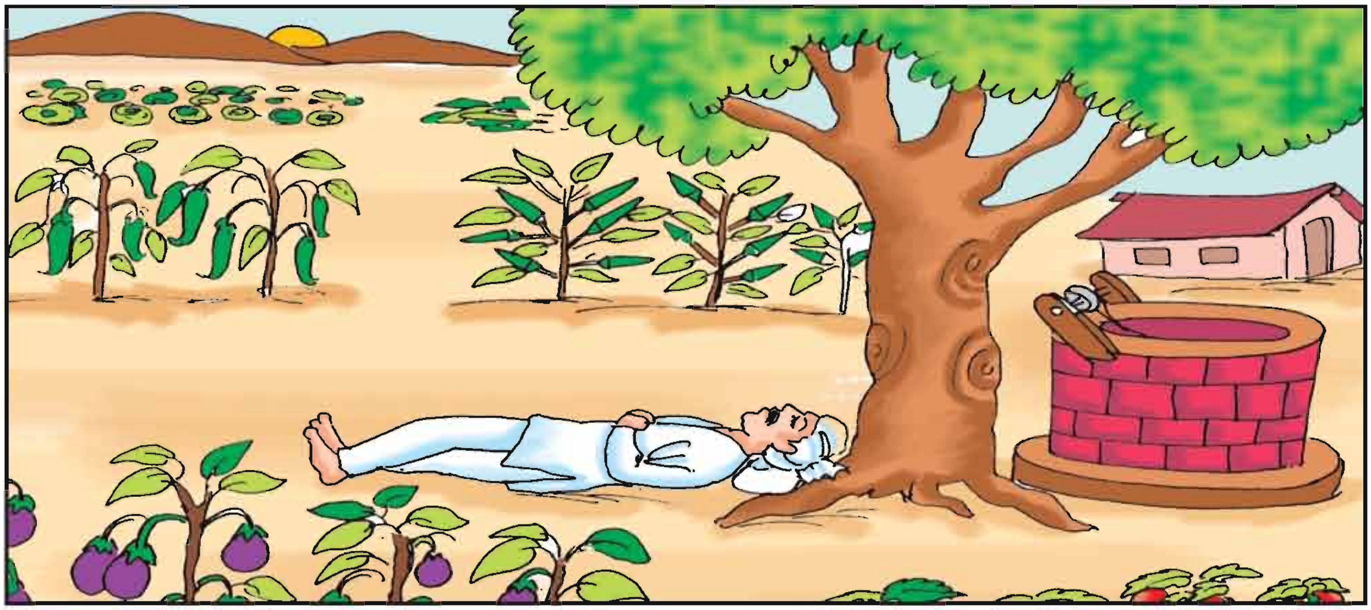

बिरजू चाचा ने अपने खेत में सब्जियाँ बोई थीं। दोपहर का समय था। बिरजू चाचा की छाया में आराम से लेटे थे कि उन्हें नींद आ गई। तब खेत की सारी सब्जियाँ खेलने के लिए इकट्ठी हुईं। ये सभी खेलते-खेलते नोंक-झोंक पर उतर आईं।

ने कहा, "मैं सब सब्जियों में सरताज हूँ। सभी सब्जियाँ मेरे बिना अधूरी हैं। बच्चों-बूढ़ों को मैं बहुत भाता हूँ। चाट, चिप्स, टिकिया जैसी चटपटी और मजेदार खाने की चीजें मुझसे ही बनती हैं। ने कहा, "मैं का मित्र हूँ। मुझे भी लोग बहुत पसंद करते हैं। तब से उछलकर बाहर आ गए और कहने लगे-हमें भूल गए ? कई प्रकार की सब्जियाँ, पुलाव और चटपटी कचौरी की जान हैं हम। उसी समय और कूद पड़े। "रायता, कोफ्ते और हलवा हमारे बिना कैसे बन सकते हैं ?" बोली। ने बात काटते हुए कहा, "हलवा तो मेरा भी बनता है। मेरा रूप-रंग देखा है ? कितना सुंदर लाल रंग है मेरा ! नाम सुनते ही मुँह में पानी आ जाता है। मुझे खाने से लोग स्वस्थ रहते हैं।" यह सुनकर आगे आई। "मैं भी आरोग्य के लिए उपयोगी हूँ। सब्जी के अलावा कचूमर और सलाद में भी मेरा स्थान है।" पीछे क्यों

रहे ? वह भी कहने लगी, "सभी चुप हो जाइए। मेरे बिना आप सबकी क्या क़ीमत है ? मेरे बिना सभी सब्जियाँ फ़ीकी हैं। मैं पतली और चुस्त हूँ।" 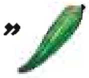 भी अपनी कोमलता और अनूठे स्वाद की प्रशंसा करने लगी। अब कैसे चुप बैठता ? वह बोलने जा रहा था तो ने उसको बीच में ही रोक दिया। "तेरा नाम सुनते ही बच्चे दूर भागते हैं। मेरा खट्टा-मीठा स्वाद सबको प्यारा लगता है।" यह बात सुनकर चिल्लाया और बोला, "सिर्फ रूप-रंग ही काफ़ी नहीं हैं। ज्वर जैसी बीमारियाँ ठीक करने में लोग मेरा प्रयोग करते हैं।"

आखिर में कलगीदार आया। उसने सभी को शांत करते हुए कहा, "दोस्त, आप सब अपने-अपने स्थान पर उपयोगी एवं सही हैं। मिल-जुलकर रहने में ही हमारी भलाई है।
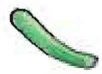 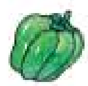 को मिलाकर बनाया कचूमर लिज्जतदार होता है। से बनी सब्जी मनभावन बनती है। जैसे मसाले रसोई में स्वाद और सुगंध प्रदान करते हैं। इस तरह हम एक साथ घुल-मिलकर और भी मजेदार हो जाते हैं।"

इतने में बिरजू चाचा जाग उठे। सभी सब्जियाँ इधर-उधर भागने लगीं। लौकी, करेला और ककड़ी बेलों पर जा बैठीं। शकरकंद, आलू, गाजर, बीट जमीन के अंदर घुस गए। भिंडी, मटर, बैंगन, टमाटर, पौधे की डालियों पर छिप गए। बिरजू चाचा अपने काम में मशगूल हो गए।

शब्दार्थ

अनूठा उत्तम, अद्वितीय **ज्वर** बुखार (ગુજ. તાવ) **काफ़ी** पर्याप्त **दोपहर** मध्याह्न (ગુજ. બપોર) **फ़ीकी** स्वादहीन**सरताज** सर्वश्रेष्ठ **सम्मान** मान **चाट** चटपटा व्यंजन **आखिर** अंत **मज़ेदार** स्वादिष्ट **लिज्जत** स्वाद **पुलाव** सब्जी और चावल से बना व्यंजन **हलवा** एक प्रकार की मिठाई **मनभावन** मनपसंद

मुहावरे

नोंक झोंक करना	उग्र चर्चा करना
मुँह में पानी आना	खाने की इच्छा होना
बात काटना	बीच में बोल उठना

अभ्यास

1. आप अपने घर में पकाई जानेवाली सब्जियों की सूची बनाइए ।
2. सूची में से अपनी मनपसंद सब्जियाँ बताइए और क्यों पसंद हैं, उसका कारण दीजिए ।
3. भिन्न शब्द पर ◯ कीजिए :

   जैसे - पालक, गाजर, (सेब), लौकी

   (1) ककड़ी, गाजर, बंदगोभी, केला

   (2) पपीता, मूली, आम, अनार

   (3) कनेर, धनिया, गुलाब, चमेली

   (4) मिर्च, अदरक, फूलगोभी, लहसुन
4. प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

   (1) हरे रंग की सब्जियों के नाम बताइए ।

   (2) कच्चे टमाटर का रंग कैसा होता है ?

   (3) कौन-कौन सी सब्जियों का स्वाद कड़वा होता है ?

   (4) प्रस्तुत इकाई में कौन सी सब्जियों के नाम नहीं आए हैं ?

   (5) हलवा बनाने में गाजर या लौकी के अलावा कौन-कौन सी चीजों की जरूरत होती है ?

   (6) ऐसे फल बताइए जिसकी सब्जी भी बनाई जाती है ।

5 नीचे दिए गए चित्र का वर्णन कीजिए :

6. चित्रों के आधार पर कहानी-कथन कीजिए।

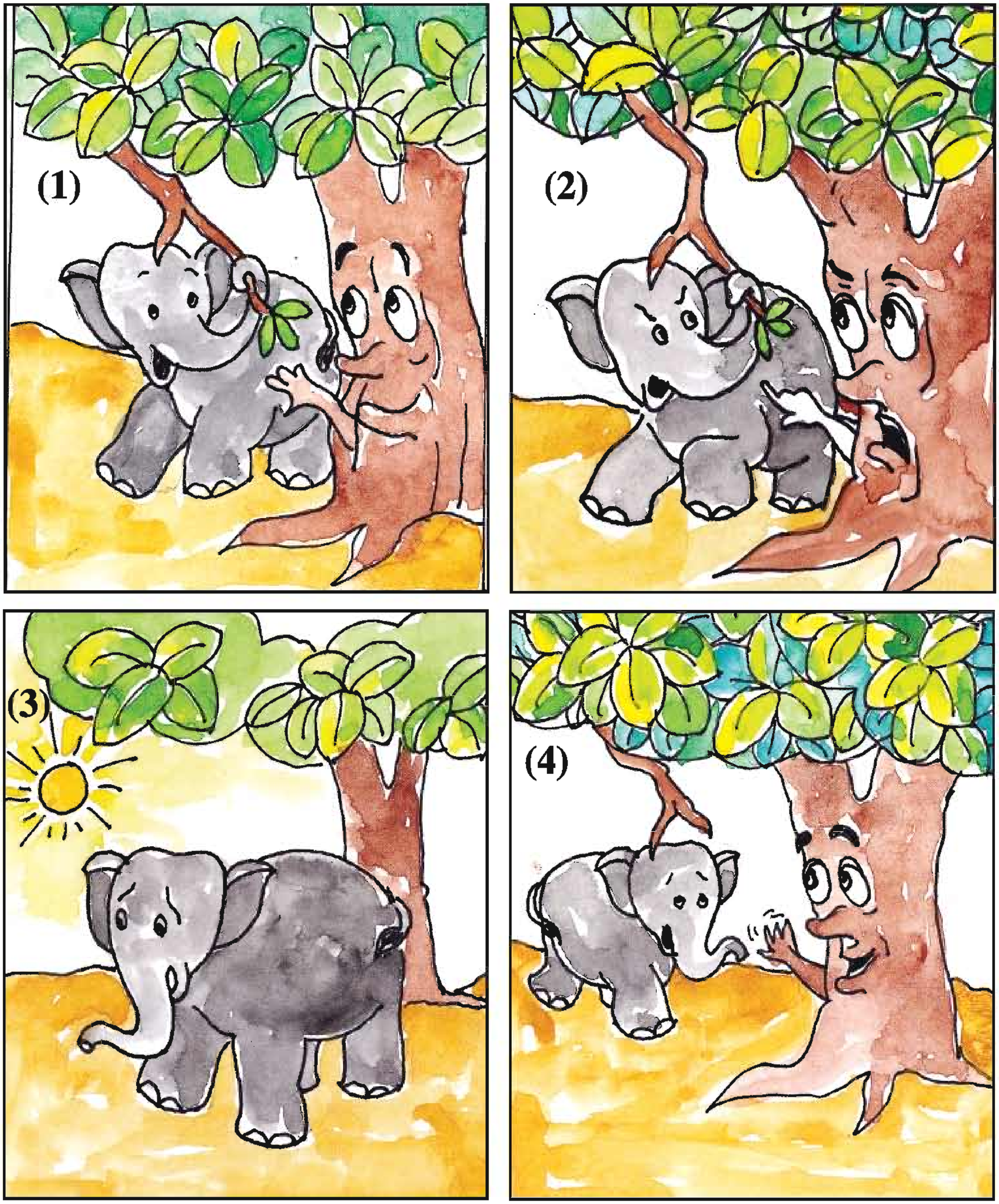

7. दिए गए चित्रों के बीच के भेद बताते हुए वर्णन कीजिए।

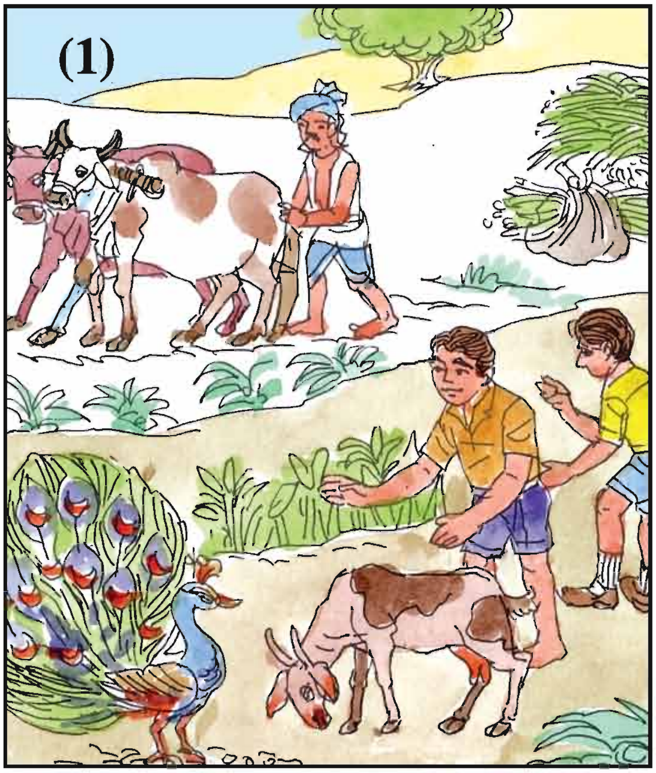

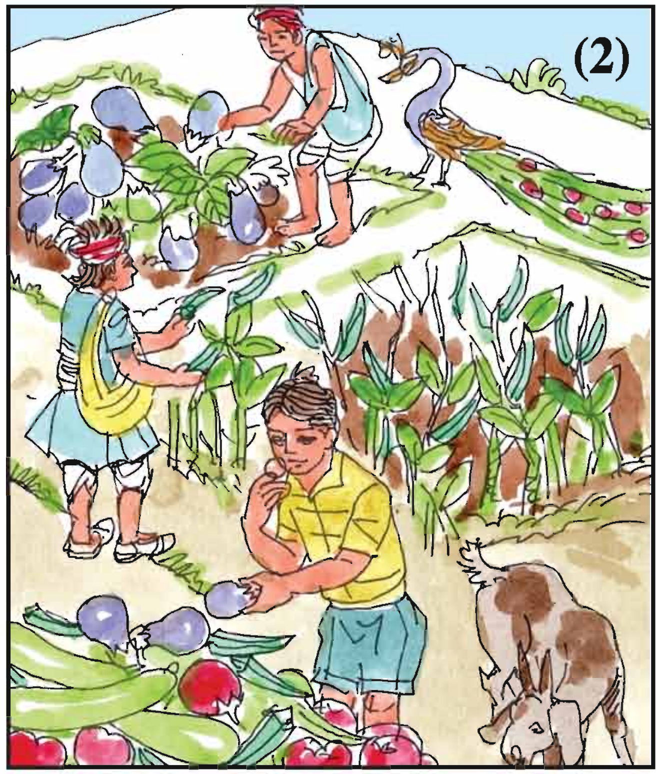

स्वाध्याय

1. प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) बिरजू चाचा कहाँ आराम कर रहे थे ?

(2) कचूमर में कौन-कौन सी सब्जियों का उपयोग होता है ?

(3) आलू से खाने की क्या-क्या चीजें बनती हैं ?

(4) मसालों से रसोई में क्या होता है ?

(5) बैंगन ने सबको क्या सलाह दी ?

(6) बच्चों को कौन-सी सब्जियाँ बहुत पसंद होती हैं ?

(7) जमीन के नीचे पैदा होनेवाली सब्जियों के नाम बताइए।

(8) बेलों पर कौन-कौन सी सब्जियाँ होती हैं ?

2. नीचे दी गई सब्जियों के रंग-रूप, आकार या स्वाद के बारे में दो-दो वाक्य लिखिए :

(1) बैंगन (2) टमाटर (3) करेला (4) लौकी (5) गाजर

3. चित्र के आधार पर लेखन कीजिए।

4. नीचे दिए गए वाक्यों का मातृभाषा में अनुवाद कीजिए :

(1) सभी सब्जियाँ मेरे बिना अधूरी हैं।

(2) गाजर से हलवा बनता है।

(3) मसाले रसोई में स्वाद और सुगंध प्रदान करते हैं।

(4) करेला स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभदायी है।

(5) बिरजू चाचा सो गए।

5. देखिए / पता कीजिए और लिखिए :

- जब तुम इस इकाई को पढ़ रहे हो उस समय खेतों में कौन-कौन सी सब्जियाँ होंगी ?
- इनमें कौन-सी सब्जी होगी ?

  - बेल पर - पौधे पर - जमीन के नीचे

6. निम्नलिखित शब्दों का उदाहरण के अनुसार वाक्य-प्रयोग कीजिए :

प्रशंसा, अधूरा, पसंद, भलाई, शान्त

उदाहरण : प्रशंसा × निन्दा

– अच्छे कार्य करनेवालों की **प्रशंसा** होती है।

– बुरे कार्य करनेवालों की **निंदा** होती है।

7. निम्नलिखित शब्दों का उदाहरण के अनुसार वाक्य-प्रयोग कीजिए :

सुगंध, आरोग्य, मनभावन, सरताज, बहुत

उदाहरण : सुगंध - सुवास

– फूलों की **सुगंध** सबको अच्छी लगती है।

– फूलों की **सुवास** सबको अच्छी लगती है।

भाषा-सज्जता

(विशेषण)

क	ख
(1) मनोज ने गाजर खाया।	(1) मनोज ने बड़ा गाजर खाया।
(2) टोकरी में शकरकंद है।	(2) टोकरी में मीठा शकरकंद है।
(3) घोड़ा दौड़ता है।	(3) काला घोड़ा दौड़ता है।
(4) गाय चरती है।	(4) सफेद गाय चरती है।
(5) लड़के पढ़ते हैं।	(5) तीन लड़के पढ़ते हैं।
(6) गिलास में दूध है।	(6) गिलास में थोड़ा दूध है।

आप जानते हैं कि विभाग ‘क’ के वाक्यों में निर्देशित शब्द ‘गाजर’, ‘शकरकंद’, ‘घोड़ा’, ‘गाय’, लड़के’, ‘दूध’ ये संज्ञाएँ हैं। इन संज्ञाओं की विशेषता बतानेवाले शब्द क्रमश: ‘बड़ा’, ‘मीठा’, ‘काला’, ‘सफेद’, ‘तीन’ और ‘थोड़ा’ हैं। अत: ये ‘विशेषण’ हैं।

संज्ञा शब्द की विशेषता बतानेवाले शब्द को ‘विशेषण’ (Adjective) कहते हैं।

* **क्रिया : पढ़िए और समझिए ।**

मयूरी पढ़ती है ।

मीना दौड़ती है ।

सोनल खाना खाती है ।

सचिन खेलता है ।

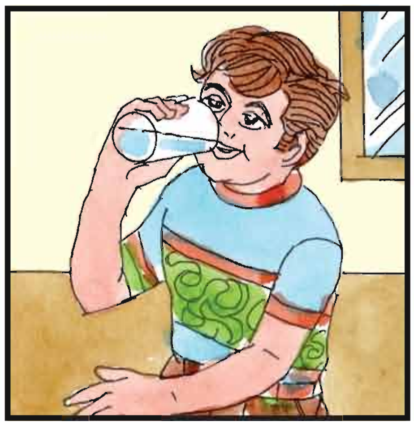

सलीम पानी पीता है ।

जोसेफ लिखता है ।

ऊपर दिए गए वाक्यों में 'पढ़ती है', 'दौड़ती है', 'खेलता है' आदि शब्द क्रियाओं का निर्देश करते हैं, अत: ये सब क्रिया पद हैं ।

जो पद किसी कार्य के करने या होने का बोध करवाए, वह क्रिया (Verb) कहलाता है ।

इतना जानिए

आलू બટાટા शकरकंद શક્કરિયું करेला કારેલું लौकी દૂધી मटर વટાણા
गाजर ગાજર बंदगोभी કોબીજ मिर्च મરચું भिंडी ભીંડો टमाटर ટામેટું
बैंगन રીંગણ शलगम બીટ ककड़ी કાકડી फूलगोभी ફુલેવર धनिया ધાણા
अदरक – આદું

10 सीखो

– श्रीनाथसिंह

प्रस्तुत कविता प्रसिद्ध रचनाकार श्री श्रीनाथसिंह द्वारा रची गई है। जीवन में प्रकृति का बहुत ही महत्त्व है। इस कविता में कवि ने प्रकृति में मौज़ूद विभिन्न चीजोः फूल, भौंरे, सूरज, पेड़, पृथ्वी इत्यादि से कुछ न कुछ सीख लेने की प्रेरणा दी है।

फूलों से नित हँसना सीखो
भौंरों से नित गाना ।
तरु की झुकी डालियों से नित
सीखो शीश झुकाना ।

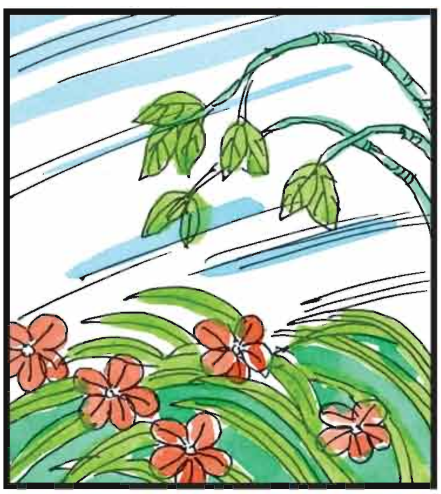

सीख हवा के झोंकों से लो
कोमल भाव बहाना ।
दूध तथा पानी से सीखो
मिलना और मिलाना ।

सूरज की किरणों से सीखो
जगना और जगाना ।
लता और पेड़ों से सीखो
सबको गले लगाना ।

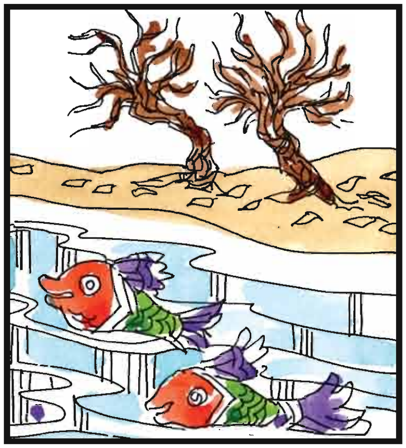

मछली से सीखो स्वदेश के
लिए तड़पकर मरना ।
पतझड़ के पेड़ों से सीखो
दुःख में धीरज धरना ।

दीपक से सीखो जितना
हो सके अँधेरा हरना ।
पृथ्वी से सीखो प्राणी की
सच्ची सेवा करना ।

जलधारा से सीखो आगे
जीवन-पथ में बढ़ना ।
और धुएँ से सीखो हरदम
ऊँचे ही पर चढ़ना ।

शब्दार्थ

फूल पुष्प **सूरज** रवि, भानु **नित** सदा, प्रतिदिन **लता** वेल **भौंरा** मधुकर, भँवरा **पतझड़** पत्ते झड़ने की ऋतु, पानखर **(गुज) तरु** पेड़, वृक्ष **धीरज** धैर्य, धीरता **हवा** वायु, पवन **पृथ्वी** धरा, अवनी **कोमल** नाजुक, मुलायम **जलधारा** पानी की धारा या प्रवाह **पानी** जल, नीर

मुहावरे

शीश झुकाना	विनम्र होना।
कोमल भाव बहाना	सुन्दर विचार प्रकट करना।
ऊँचे चढ़ना	उन्नति करना।

अभ्यास

1. पढ़िए और बोलिए :

हँसना, भौंरा, स्वदेश, तड़पकर, अँधेरा, पृथ्वी, धुआँ, ऊँचा

2. कविता का सामूहिक और व्यक्तिगत गान कीजिए।

3. प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) कविता में प्रकृति के किन-किन तत्त्वों की बात कही गई है ?

(2) स्वयं देखे हुए प्रकृति की अन्य चीजों के नाम दीजिए।

4. किससे क्या सीखें ? सोचकर बताइए :

(1) दीपक से

(2) भौंरों से

(3) फूलों से

(4) हवा से

(5) दूध और पानी से

(6) सूरज की किरणों से

(7) लता और पेड़ों से

(8) धुएँ से

(9) मछली से

(10) जलधारा से

(11) पृथ्वी से

(12) पतझड़ के पेड़ों से

5. निम्नलिखित वाक्यों को उदाहरण के अनुसार लिखिए और स्वरभार देकर पढ़िए :

जैसे -1. मैंने कल आपको यह किताब दी थी।

- मैंने कल आपको यह किताब दी थी।
- मैंने कल आपको यह किताब दी थी।
- मैंने कल आपको यह किताब दी थी।
- मैंने कल आपको यह किताब दी थी।
- मैंने कल आपको यह किताब दी थी।

2. मेरे जन्मदिन पर दोस्तों ने मुझे उपहार दिया।
3. किसान ने बैल को रस्सी से कसकर बाँधा।
4. बगीचे में तितलियाँ मंडराने लगीं।
5. मैं कल रामपुर गया था।

स्वाध्याय

1. सही जोड़े मिलाइए :

अ	ब
(1) फूल	(1) स्वदेश के लिए तड़पकर मरना
(2) जलधारा	(2) सबको गले लगाना
(3) मछली	(3) हँसते रहना
(4) पृथ्वी	(4) उन्नति करना
(5) धुआँ	(5) जीवनपथ में आगे बढ़ना
	(6) सेवा करना
	(7) शीश झुकाना

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(1) दुःख में हमें क्या करना चाहिए ?

(2) सूरज की किरणों से हमें क्या सीख मिलती है ?

(3) कोमल भाव बहाने की सीख हमें कौन देता है ?

(4) अँधेरा कौन हरता है ?

3. कविता में से निम्नलिखित भावार्थवाली पंक्तियाँ ढूँढ़कर लिखिए :

(1) सुख हो या दुःख हो, हमें हमेशा हँसते रहना चाहिए।

(2) हमें हर एक प्राणी की सेवा करनी चाहिए।

(3) हमें सदैव प्रगति करनी चाहिए।

(4) हमें सबसे हिलमिलकर रहना चाहिए।

4. कविता में से संज्ञा, विशेषण और क्रियापद शब्द ढूँढ़कर लिखिए :

संज्ञा	विशेषण	क्रिया
जैसे : सूरज	सच्चा	गाना
____________	____________	____________
____________	____________	____________
____________	____________	____________

5. आपने उपर्युक्त कोष्ठक में विशेषण और क्रिया के जो शब्द लिखे हैं, उनका वाक्यप्रयोग कीजिए।

जैसे -
- मोहन सच्चा बालक था।
- रीटा गीत गाती है।

योग्यता-विस्तार

❒ **इनसे आप क्या सीखेंगे ? चर्चा कीजिए ।**

- कुत्ता
- हंस
- सियार
- बुलबुल
- मधुमक्खी
- अगरबत्ती
- नदी
- चींटी
- मकड़ी
- कंगारू

- क्या तुम अपने आस-पास की चीजों से भी कुछ सीख सकते हो ? यदि 'हाँ' तो लिखो कि किससे क्या सीखोगे ?
- कविता में किसी न किसी से कुछ न कुछ सीख लेने की बात कही गई है। अगर हम किसी से कुछ भी न सीखें तो क्या होगा ? अपने विचार लिखिए।

11 सच्चा बालक

इस जीवन प्रसंग में सच्चाई का महत्त्व बताया गया है। जीवन में चाहे कितनी भी मुश्किलें आएँ पर जो मनुष्य अपने आदर्शों को नहीं छोड़ता है, वही महान बनता है।

एक समय की बात है। एक लम्बा काफ़िला बगदाद की ओर जा रहा था। रास्ते में उस पर डाकू टूट पड़े और लूटमार करने लगे। उस काफ़िले में एक नौ वर्ष का बालक था। वह एक ओर चुपचाप खड़ा रहकर इस लूटमार को देख रहा था।

एक डाकू की नजर उस लड़के पर पड़ी।

लड़के के पास आकर वह डाकू कड़ककर बोला, "तेरे पास भी कुछ है ?"

लड़का - "मेरे पास चालीस अशरफियाँ हैं।"

डाकू (चकित होकर) - "क्या कहा ? तेरे पास चालीस अशरफियाँ हैं ?"

लड़का - "जी हाँ !"

डाकू लड़के का हाथ पकड़कर सरदार के पास ले गया। उसने अपने सरदार से कहा, "यह लड़का अपने पास चालीस अशरफियाँ बताता है।"

सरदार (लड़के से) - "तेरी अशरफियाँ कहाँ हैं ?"

लड़के ने अपनी सदरी को फाड़कर उसमें छुपी अशरफियाँ निकालीं। उन्हें सरदार के सामने रखते हुए कहा, "यह देखो।"

सरदार (आश्चर्य से) - "लड़के ! अशरफियों को इस प्रकार से रखने का उपाय तुम्हें किसने बताया ?"

लड़का - "मेरी माँ ने इनको सदरी के अस्तर में सी दिया था जिससे किसी को पता न चले।"

सरदार - "तो तूने अशरफियों का पता हमें क्यों बता दिया ?"

लड़का - "मैं झूठ कैसे बोलता ? मेरी माँ ने कहा था, "बेटा, सदैव सच बोलना। झूठ बोलना पाप है।"

सरदार (डाकुओं से) - "यह छोटा बच्चा अपनी माँ का इतना कहना मानता है कि ऐसे संकट में भी झूठ नहीं बोला। हम लोग बड़े होकर भी ईश्वर के बताए नेक रास्ते पर नहीं चलते और लूटमार करते रहते हैं।"

सब डाकू - "सरदार, बात तो ठीक है।"

सरदार (डाकुओं से) - "इनका लूटा हुआ सामान इन्हें वापस कर दो।" (डाकुओं ने सब सामान वापस कर दिया और आगे कभी लूटमार न करने की प्रतिज्ञा की।)

सच बोलनेवाले इस बालक का नाम अब्दुल कादिर था। बड़ा होकर यह बालक महान सन्त हुआ। उनकी समाधि बगदाद में है। वहाँ प्रत्येक वर्ष बड़ी संख्या में लोग दर्शन के लिए जाते हैं।

शब्दार्थ

काफ़िला यात्रियों का समूह **अशरफ़ियाँ** सोने के सिक्के **वापस करना** लौटाना **सदरी** जाकिट **सरदार** नेता **अस्तर** सिले कपड़े के भीतर की तह **समाधि** मकबरा, मजार **माँ** जननी, माता **सदैव** हमेशा, सर्वदा **नेक** ईमानदार **ईश्वर** भगवान, प्रभु

मुहावरे

नेक रास्ते पर चलना सही रास्ते पर चलना।

कड़ककर बोलना कठोरता से बोलना।

अभ्यास

1. ऐसा क्यों कहा ?

(1) सरदार के पूछने पर लड़के ने कहा, "मेरे पास चालीस अशरफ़ियाँ हैं।"

(2) सरदार ने डाकुओं से कहा, "लूटा हुआ सामान वापस कर दो।"

2. पढ़िए और लिखिए :

(1) लड़का - "मेरे पास चालीस अशरफ़ियाँ हैं।"

(2) आसमान में घनघोर बादल छाए हैं।

(3) माँ ने कहा था, "बेटा, सदैव सच बोलना।"

(4) हमेशा सत्य की ही जीत होती है।

(5) हॉकी हमारा राष्ट्रीय खेल है।

3. आप अब्दुल कादिर की जगह होते तो क्या करते ?

4. पढ़िए और समझिए :

(1)	माँ	×	बाप
(2)	बड़ा	×	छोटा
(3)	सच	×	झूठ
(4)	नेक	×	बेईमान
(5)	प्रसिद्ध	×	अप्रसिद्ध
(6)	आज	×	कल
(7)	पास	×	दूर

5. 'सच्चा बालक' कहानी का कथन एवं लेखन कीजिए।

6. पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

हिन्दी दैनिकपत्र

अहमदाबाद, रविवार 28 अगस्त, 2011

वडोदरा में पहली बार गणेशजी की मिट्‌टी की प्रतिमा स्थापित

वडोदरा। उत्सवप्रिय नगरी वडोदरा में गणेशोत्सव के कुछ ही दिन शेष होने से शहर के छोटे-मोटे युवक मण्डलों द्वारा गणेशजी की प्रतिमा स्थापित करने के लिए तैयारियाँ शुरू कर दी गई हैं। ऐसे समय पर्यावरण तथा पीओपी के प्रतिबंध को ध्यान में रख शहर के राजमहल रोड स्थित ताड़फलिया सार्वजनिक युवक मंडल ने इस वर्ष पहली बार गणेशजी की मिट्‌टी की प्रतिमा स्थापित करने का निर्णय किया है। ताड़फलिया युवक मंडल द्वारा प्रथमबार २२ फुट ऊंची तथा आठ सौ किलो वजन की विशालकाय गणेशजी की प्रतिमा बनाने का बीड़ा उठाया गया है। प्रतिमा के निर्माण के लिए कोलकाता से विशेष मूर्तिकार तपन मंडल के कलाकारों को बुलाया गया है। यह कलाकार पिछले डेढ़ माह से शहर का मेहमान बना है तथा शास्त्रोक्त विधि के अनुसार वह गणेशजी की मिट्‌टी की प्रतिमा को अंतिम रूप दे रहा है।

प्रश्न (1) अखबार में छपा समाचार कब प्रसिद्ध हुआ है ?

(2) समाचार की हेडलाइन पढ़िए।

(3) समाचार किसके बारे में है ?

(4) समाचार के संदर्भ में कोई चार प्रश्न बनाकर उत्तर लिखिए।

(5) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द ढूँढ़िए :

नगर, बड़ी, गणपति, खास, अतिथि, मूर्ति

स्वाध्याय

1. प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) काफ़िला कहाँ जा रहा था ?

(2) बालक की उम्र कितनी थी ?

(3) लड़के के पास कितनी अशरफ़ियाँ थीं ?

(4) लड़के ने अशरफियाँ कहाँ रखी थीं ?

(5) लड़के की माँ ने उसे क्या सीख दी थी ?

(6) डाकुओं ने लड़के से क्या सीखा ?

(7) सच बोलनेवाला बालक कौन था ?

(8) अब्दुल कादिर की समाधि कहाँ है ?

2. सही जोड़े मिलाइए और वाक्यप्रयोग कीजिए :

(1) कड़ककर बोलना	(1) सही रास्ते पर चलना
(2) घुटने टेकना	(2) निर्वाह करना
(3) नेक रास्ते पर चलना	(3) खुश होना
(4) आँखों का तारा	(4) कठोरता से बोलना
(5) कान फूँकना	(5) हार मानना
	(6) बहुत प्यारा
	(7) कान में कहना

योग्यता-विस्तार

- अपने पुस्तकालय से पुस्तक लेकर हरिश्चंद्र, गाँधी जी, युधिष्ठिर आदि महापुरुषों के प्रेरक प्रसंग पढ़िए और संकलन कीजिए।

शिक्षक के लिए

प्रस्तुत कहानी का नाट्य रूपांतर करके कक्षा में प्रस्तुत कीजिए।

सोचिए और लिखिए :

(क) सच बोलने पर आपकी कब बहुत प्रशंसा हुई ?

(ख) आपको झूठ बोलने पर डाँट कब मिली ? उसके बाद क्या हुआ ?

पढ़िए और समझिए

- पर्यावरण की रक्षा करना हमारा धर्म है।
- हमेशा सच बोलना चाहिए।
- सत्य ही ईश्वर है।
- गांधीजी सत्य और अहिंसा के पुजारी थे।

12 दुमदुमा गाँव के बच्चे

बच्चों में अपार क्षमता होती है। उनमें स्वयं कुछ करने की लगन पैदा करना आवश्यक है। प्रस्तुत कहानी में दुमदुमा गाँव के लोगों की परेशानी को दूर करने के लिए बच्चे कैसे कदम उठाते हैं उसका निरूपण किया है।

बच्चे इस कहानी से प्रेरित होकर कक्षा, विद्यालय और गाँव की समस्या का हल ढूँढ़ने में जागरूक होंगे और कार्य भी करेंगे।

यह दुमदुमा गाँव है। यहाँ हमेशा पानी की कमी रहती थी। खेत सूख जाते, लोग परेशान रहते पर कोई उपाय नहीं कर पाते थे। बच्चे पानी में खेलना चाहते, तैरना चाहते पर कहाँ ?

एक दिन बच्चे खेल के मैदान में इकट्ठा हुए। उन्होंने पानी की कमी दूर करने की सोची।

"मैं बादलों से प्रार्थना करूँगा, रोज बरसो" - बिल्लू बोला। "बादल रोज कैसे बरस सकते हैं ?" महिमा बोली।

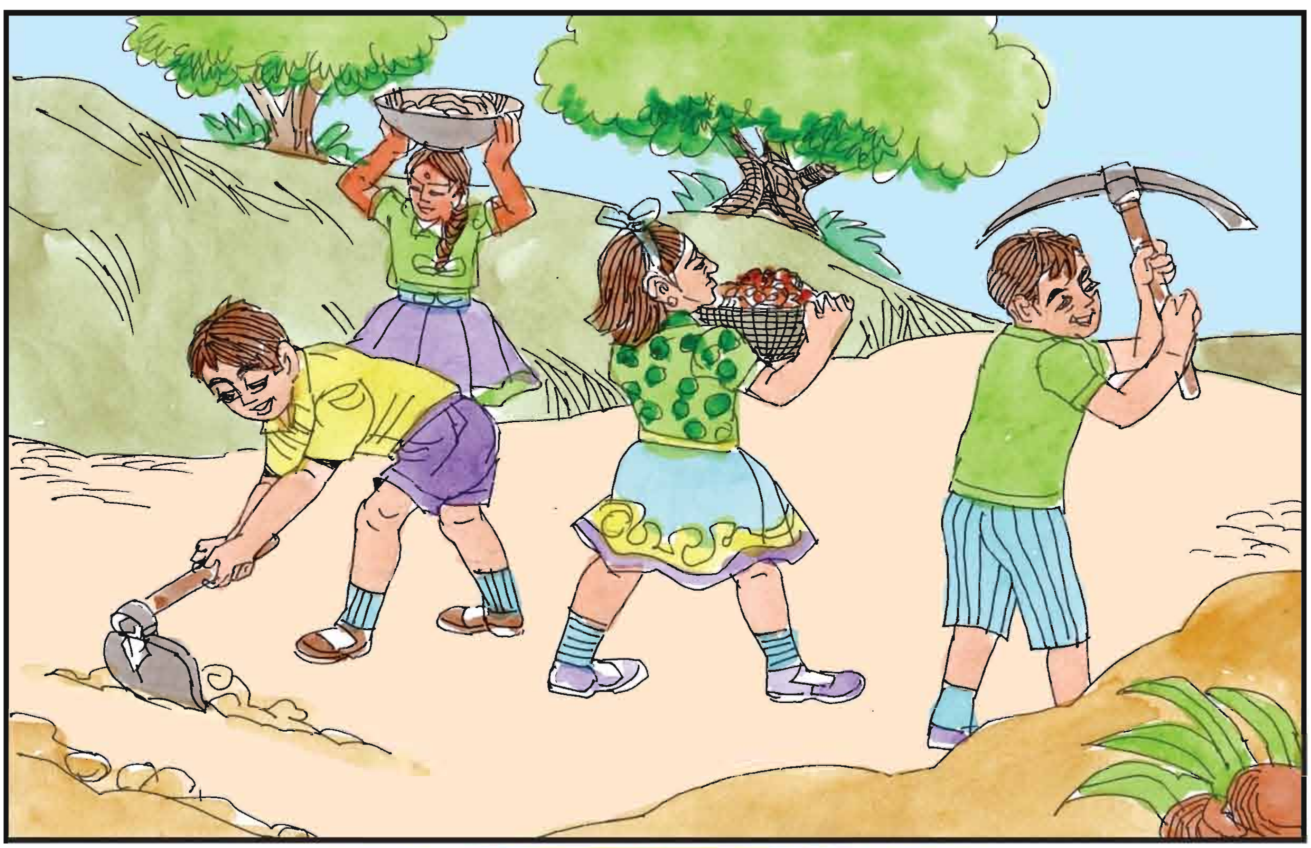

तब फिर क्या हो ? सब सोचने लगे - "क्यों न एक बड़ा-सा गड्ढा खोदें, जिसमें बारिश का खूब सारा पानी भर जाए" रजिया बोली।

"हाँ-हाँ ! यही ठीक है," सारे बच्चे बोले। फिर बच्चे लाए फावड़े, कड़ाही, कुदालें और तसले। वे जमीन खोदते रहे। मिट्टी ढोते रहे। बाहर फेंकते रहे। बच्चों को काम करते हुए गाँववालों ने देखा। वे भी बच्चों के साथ काम करने में जुट गए। इस तरह बना एक बड़ा सा तालाब। बरसात में उस तालाब में पानी भरा। पानी से खेतों की सिंचाई हुई। खेतों में मक्का और धान लहलहाए।

लोग खुश हुए और बच्चे पानी में छपा-छप खूब नहाए।

शब्दार्थ

प्रार्थना उपासना, विनती **पानी** जल, नीर, वारि **कमी** अभाव **परेशान** दुःखी, व्याकुल **उपाय** युक्ति, तरकीब **बारिश** वर्षा, बरसात **धान** अन्न (यहाँ चावल)

अभ्यास

1. सोचकर बताइए :

(1) आपके गाँव या शहर में पानी के स्रोत कौन-कौन से हैं ?

(2) हम पानी का उपयोग कहाँ-कहाँ करते हैं ?

(3) 'पानी हमारा जीवन है। पानी का अपव्यय नहीं करना चाहिए।' अब बताइए कि - लोग पानी का अपव्यय कैसे करते हैं ?

(4) पानी का अपव्यय न हो इस हेतु आप क्या-क्या करेंगे ?

2. • छात्रों को अपने गाँव या शहर के नज़दीक आए हुए नदी, जलपरियोजना, चेकडेम या खेत-तालाब की मुलाकात करवाइए।

• मुलाकात के बाद छात्रों ने जो देखा है उसकी कक्षा में चर्चा और लेखन करवाइए।

3. (अ) इकाई में आए शब्द नीचे दिए गए कोष्ठक में छिपे हुए हैं। उन्हें ढूँढ़िए और ⬭ कीजिए।

ब	र	श	त	न	य	दु	**ढूँढ़े हुए शब्द यहाँ लिखिए।**
र	ल	पा	भ	तै	र	म	1. लहलहाए 7.
सा	बा	ह	र	र	ब	दु	2. 8.
त	द	ख	ल	ना	ना	मा	3. 9.
क्ष	ल	ही	र्थ	हा	ना	पा	4. 10.
क	डा	प्रा	न	न	ए	सा	5. 11.
क	ला	म	छ	पा	छ	प	6. 12.

(ब) दिए गए इन वर्णों को योग्य स्थान पर रखिए और सार्थक शब्द बनाइए :

न, शा, प, रो, छ, पा, मी

छ			
			रे
	ज		
		न	

4. दिए गए चित्र के आधार पर पाँच वाक्य लिखिए।

5. नीचे दिए गए चित्र के आधार पर कहानी-कथन कीजिए :

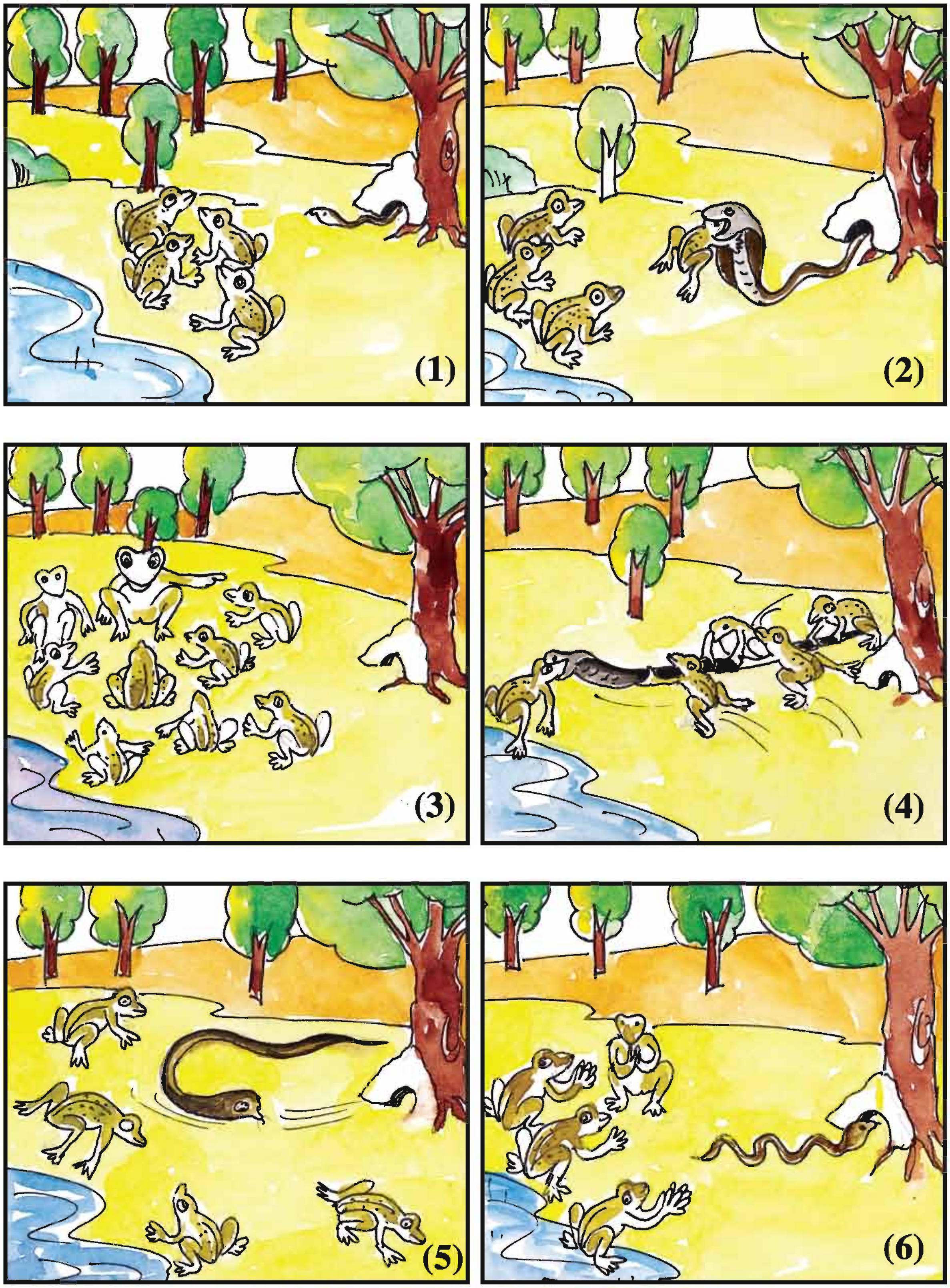

6. कोष्ठक में दी गई क्रिया के योग्य रूप से रिक्तस्थान की पूर्ति कीजिए :

(1) दुमदुमा गाँव में हमेशा पानी की कमी ———— थी। (रहना)

(2) बच्चे तालाब में ———— थे। (नहाना)

(3) खेतों में मक्का और धान ———— थे। (लहलहाना)

7. (अ) कोष्ठक में दिए गए शब्दों का उपयोग करके जो वाक्य लिखें हैं उन्हें पढ़िए और समझिए :

(लाल, सफेद, तीन, सुंदर)

वाक्य : खेत में गायें चरती हैं।

(1) खेत में लाल गायें चरती हैं।

(2) खेत में सफेद गायें चरती हैं।

(3) खेत में तीन गायें चरती हैं।

(4) खेत में सुंदर गायें चरती हैं।

(ब) कोष्ठक में दिए गए शब्दों का उपयोग करके वाक्य लिखिए। (लाल, रंगबिरंगे, तीन, सुंदर)

वाक्य : बगीचे में फूल खिले हैं।

(1)

(2)

(3)

(4)

(क) निम्नलिखित शब्दों का उपयोग करके वाक्य बनाइए :

होशियार, सुंदर, काला, छोटा, थोड़ा

स्वाध्याय

1. प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(1) दुमदुमा गाँव की क्या समस्या थी ?

(2) पानी की कमी के कारण बच्चे क्या-क्या नहीं कर पाते थे ?

(3) रजिया ने पानी की कमी दूर करने के लिए क्या उपाय बताया ?

(4) ज़मीन खोदने के लिए बच्चे कौन-कौन से साधन लाए ?

(5) तालाब में बरसात का पानी भरने से दुमदुमा गाँव को क्या फायदा हुआ ?

2. निम्नलिखित वाक्य कौन कहता है :

(1) मैं बादलों से प्रार्थना करूँगा, रोज बरसो।

(2) बादल रोज कैसे बरस सकते हैं ?

(3) क्यों न एक बड़ा-सा गड्ढा खोदें, जिसमें बारिश का खूब सारा पानी भर जाए।

3. निम्नलिखित शब्दों को शब्दकोश के क्रम में लिखिए :

दुमदुमा, बादल, कड़ाही, छपा-छप, लहलहाए

4. गुजराती में अनुवाद कीजिए :

(1) बच्चे पानी में खेलना चाहते थे।

(2) पानी से खेतों की सिंचाई होती है।

(3) बारिश के पानी से तालाब में पानी भरा।

(4) बच्चों ने पानी की कमी दूर करने की सोची।

(5) एक दिन बच्चे खेल के मैदान में इकट्ठे हुए।

5. निम्नलिखित शब्दों में से कोष्ठक में दिए गए शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए :

[उपासना, दु:खी, युक्ति, वर्षा, स्तुति, वारि, व्याकुल, तरकीब, बरसात, नीर]

प्रार्थना	उपाय	पानी	बारिश	परेशान

6. (क) आपके गाँव / मुहल्ले / आसपास या स्कूल में भी कोई न कोई समस्या ज़रूर होगी। पता कीजिए और लिखिए।

- वह समस्या क्या है ?
- वह समस्या क्यों है ?
- वह समस्या किस प्रकार दूर हो सकती है ?
- उस समस्या को दूर करने में तुम और तुम्हारे साथी क्या योगदान दे सकते हैं ?

(ख) इस समस्या के बारे में अपने सरपंच / नगर सेवक को पत्र लिखिए।

योग्यता-विस्तार

- **संकेतों को समझिए :**

ठहरिए

संकरा सेतु

वृत्ताकार रस्ता

आगे रास्ता संकरा है ।

आगे चौड़ा रास्ता है ।

प्रवेश निषेध

दोनों तरफ रास्ता बंद

सिर्फ साइकिल के लिए रास्ता

साइकिल निषेध

इतना जानिए

फावड़ा - પાવડો   कुदाल - કોદાળી

तसला - તગારું   टोकरी - ટોપલી

कड़ाही - કડાઈ

सोचिए और समझिए :

जल ही जीवन है।

एकता में ही बल है।

पुनरावर्तन 3

1. नीचे दिए गए चित्र के आधार पर पाँच वाक्य लिखिए :

2. 'सीखो' कविता का सस्वर गान कीजिए :

3. नीचे दिए गए शब्दों में से संज्ञा, विशेषण और क्रिया पद ढूँढ़कर तालिका में लिखिए और वाक्य-प्रयोग कीजिए :

नर्मदा, हिमालय, चलना, छोटा, खेलना, सफेद, लिखना, गंगा, थोड़ा

संज्ञा	विशेषण	क्रिया
________	________	________
________	________	________
________	________	________
________	________	________

4. (क) निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ देकर वाक्य-प्रयोग कीजिए :

(1) शीश झुकाना

(2) ऊँचे चढ़ना

(3) नेक रास्ते पर चलना

(4) मुँह में पानी आना

(ख) एक छोटी कहानी बनाइए जिसमें इन चारों मुहावरों का प्रयोग हो।

5. निम्नलिखित वाक्यों का गुजराती में अनुवाद कीजिए :

(1) काफ़िला बगदाद की ओर जा रहा था।

(2) करेला कड़वा होता है।

(3) दीपक रोशनी देता है।

(4) गंदगी बहुत से रोगों की जड़ है।

(5) लौकी और गाज़र का हलवा बनता है।

6. सही विकल्प चुनकर रिक्तस्थानों की पूर्ति कीजिए।

(1) ______ क्रिकेट खेलता हूँ। (हम, मैं)

(2) यह किताब हिरेन ______ है। (कि, की)

(3) ______ लड़के हैं। (यह, ये)

(4) पानी ______ मगर है। (में, मैं)

(5) ये आम के पेड़ हैं। ______ बहुत आम लगे हैं। (इनमें , इनपर)

(6) वह हाथी है। ______ रंग काला है। (उसका, इसका)

7. नीचे दिए गए संकेतों को पहचानकर हिन्दी में नाम लिखिए :

8. नीचे दिए गए प्रत्येक विषय पर पाँच-पाँच वाक्य लिखिए :

(1) मेरा परिवार (2) सब्जी मंडी (3) मेरी प्रिय सब्जी

9. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों पर बल देकर बोलिए :

(1) मैं सब्जियों का सरताज हूँ।

मैं सब्जियों का सरताज हूँ।

मैं सब्जियों का सरताज हूँ।

(2) मोर हमारा राष्ट्रीय पक्षी है।

मोर हमारा राष्ट्रीय पक्षी है।

मोर हमारा राष्ट्रीय पक्षी है।

(3) मैं कल रामपुर गया था।

मैं कल रामपुर गया था।

मैं कल रामपुर गया था।

13 स्वच्छता

स्वच्छता और स्वास्थ्य का घनिष्ठ संबंध है। स्वच्छता के अभाव में गन्दगी फैलती है। गन्दगी रोगों की जड़ है। यदि हम स्वच्छता सम्बन्धी सतर्कता रखें और उचित स्थान पर ही कूड़ा डालें तो, 'स्वच्छ जगत, सुन्दर जगत' का निर्माण कर सकते हैं। साथ ही स्वस्थ भी रह सकते हैं।

एक दिन अजय ने मोहन को अपने जन्मदिन पर बुलाया। मोहन ने उसे उपहार में देने के लिए कहानियों की एक पुस्तक खरीदी। उसे रंगीन कागज़ में लपेटा और अजय के घर चल पड़ा। जैसे ही मोहन अजय की गली में पहुँचा, उसके ऊपर केले का एक छिलका आ गिरा।

छिः ! छिः ! कितनी बुरी आदत है सड़क पर छिलका फेंकना, मोहन ने मन में सोचा। उसने छिलका उठाया और इधर-उधर देखा। कुछ दूरी पर उसे एक कूड़ादान दिखाई दिया। उसने छिलका उसमें डाल दिया। बहुत-सा कूड़ा कूड़ेदान के बाहर फैला हुआ था। वहाँ मक्खियाँ भिनक रही थीं और चारों ओर गंदगी फैली हुई थी।

कुछ और आगे बढ़ा तो मोहन को बड़ी बदबू आई। उसने देखा - नालियों में कूड़े के कारण पानी रुका हुआ है। उसी पानी से बदबू आ रही थी।

मोहन नाक पर रूमाल रखे अजय के घर पहुँचा। वहाँ अजय के और भी कई मित्र आए थे। अजय ने मोहन को अपनी माँ और पिताजी से मिलाया। अजय की दादी जो बीमार थीं, मोहन उनसे भी मिला। मेज पर खाने की चीजें रखी थीं, जिन पर बार-बार मक्खियाँ आ जाती थीं। मोहन ने अजय से कहा, "अजय, तुम्हारे मोहल्ले में इतनी गंदगी क्यों है ? क्या नगरपालिका इसे साफ़ नहीं कराती ?"

अजय की माताजी ने कहा, "बेटा नगरपालिका की गाड़ी आया करती है। जगह-जगह कूड़ेदान भी हैं। पर कुछ लोग उनमें कूड़ा नहीं डालते। वे कूड़ा सड़क पर ही फेंक देते हैं इसीलिए सफ़ाई नहीं रहती।"

दूसरे दिन पाठशाला में मोहन ने अपने अध्यापक को यह बात बताई। अध्यापक ने कहा, "तुम ठीक कहते हो, मोहन। गंदगी बहुत से रोगों की जड़ है। नगरपालिका का काम नगर को स्वच्छ रखना तो है, पर हमें भी नगरपालिका की सहायता करनी चाहिए। चलो, एक दिन हम सब अजय के मोहल्ले में चलें और स्वयं सफ़ाई का काम प्रारंभ करें।''

रविवार के दिन सभी अजय के मोहल्ले में गए। सबके हाथ में एक-एक टोकरी और झाड़ू थे। सड़क पर झाड़ू लगाकर उन्होंने कूड़ा इकट्ठा किया। नालियों की सफ़ाई की और पानी का रास्ता बनाया।

उनमें मक्खी-मच्छर मारनेवाली दवा डाली। कूड़ेदान पर ढक्कन रखा। मोहल्ले में रहनेवाले सभी लोग बाहर निकल आए और उन्हें देखने लगे। बच्चों में बहुत उत्साह था, देखते ही देखते पूरा मोहल्ला स्वच्छ हो गया। अध्यापक ने लोगों को समझाया कि वे घर का कूड़ा कूड़ेदान में ही डालें। वे घर के आसपास सफ़ाई रखें, क्योंकि गंदगी से रोग फैलते हैं।

उन्होंने कहा, "मेरी पाठशाला के बालक सप्ताह में एक बार यहाँ आया करेंगे। वे आपके मोहल्ले को साफ करेंगे। आप भी इस काम में इनकी सहायता करें।"

एक व्यक्ति ने आगे बढ़कर कहा, "नहीं, नहीं ! इन बच्चों को आने की कोई आवश्यकता नहीं। हम लोग स्वयं ही अपने मोहल्ले को स्वच्छ रखेंगे। अब आप इसे हमेशा साफ़-सुथरा पाएँगे।"

शब्दार्थ

स्वच्छता सफ़ाई, निर्मलता **छिलका** फल आदि का आवरण **बदबू** दूर्गंध, बुरी गंध **उत्साह** उमंग, जोश **प्रथम** पहला, **कूड़ादान** कचरा डालने का पात्र **दोष** अवगुण, अपराध **उपहार** भेट, नजराने की वस्तु **सप्ताह** सात दिनों का समूह **मोहल्ला** गली, शेरी (गुज.)

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(1) आप अपनी पाठशाला में किन-किन चीज़ों की सफ़ाई करते हैं ?

(2) गंदगी से हमें कौन-कौन सी बीमारियाँ होती हैं ?

(3) सफ़ाई के लिए किन-किन चीजों का उपयोग किया जाता है ?

(4) पाठशाला के अलावा आप और कौन-कौन-सी जगह सफ़ाई का काम करते हैं ?

स्वाध्याय

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(1) अजय के मोहल्ले में मोहन ने क्या देखा ?

(2) मोहल्ले में गंदगी क्यों फैली हुई थी ?

(3) अध्यापक बच्चों को अजय के मोहल्ले में क्यों ले गए ?

(4) हम नगरपालिका की मदद कैसे कर सकते हैं ?

(5) हमें अपना घर और मोहल्ला क्यों साफ़ रखना चाहिए ?

2. नीचे दिए गए विशेषणों का वाक्य में प्रयोग कीजिए :

अच्छा, कोमल, लाल, सफेद

उदाहरण : सुंदर - बाग में **सुंदर** फूल खिले हैं।

3. (अ) अंगों को काम से मिलाइए :

कान से	फिल्म देखते हैं।
आँख से	गाना सुनते हैं।
नाक से	गाना गाते हैं।
पैर से	फूल सूँघते हैं।
हाथों से	चलते हैं।
दाँतों से	खाना चबाते हैं।
मुँह से	बल्ला घुमाते हैं।

(ब) सही मिलान को वाक्य में लिखिए और क्रिया को रेखांकित कीजिए।

उदाहरण : 1. कान से गाना सुनते हैं।

4. नीचे दिए गए दृश्य का वर्णन लिखिए :

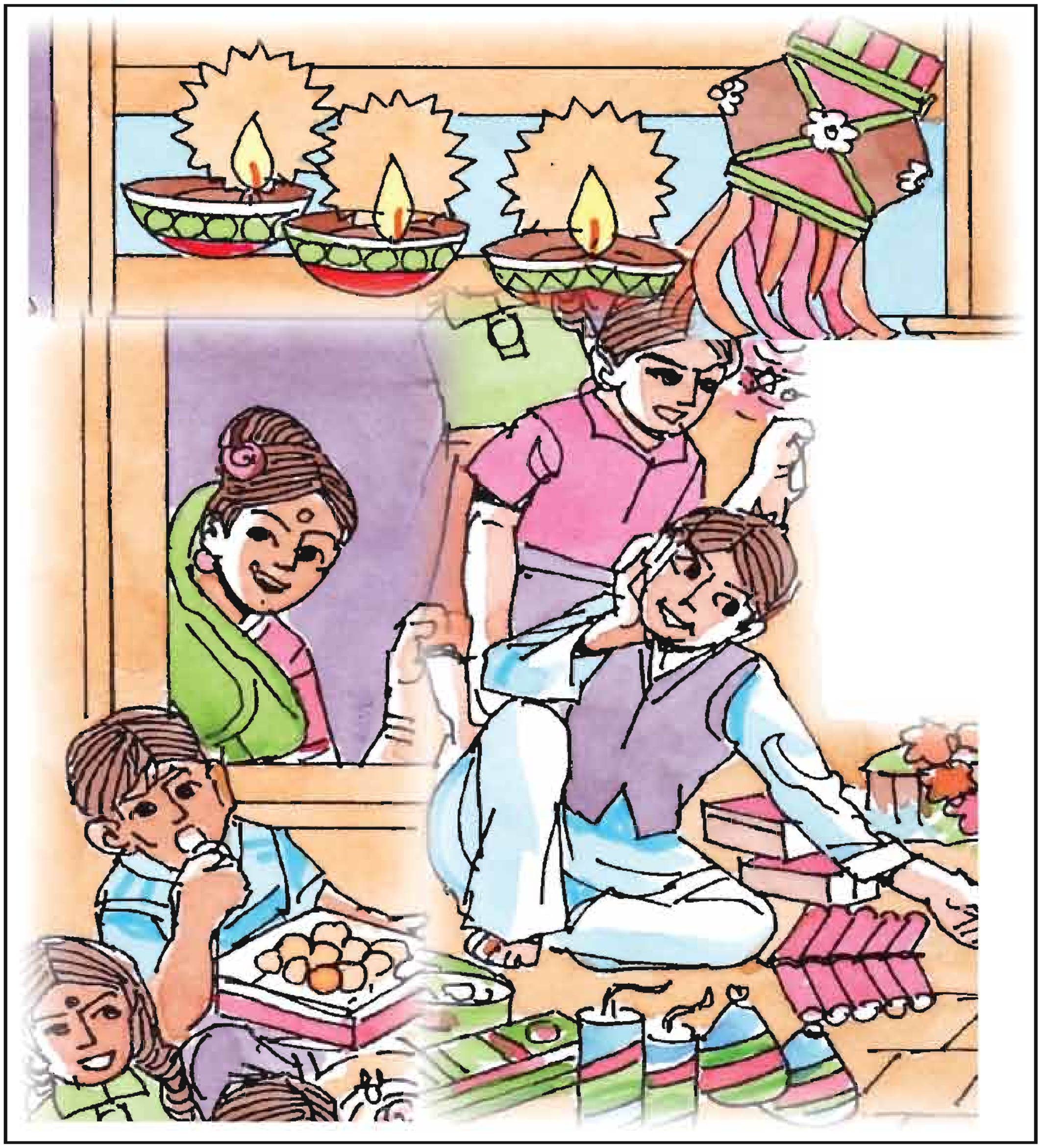

5. निम्नलिखित विषयों पर चर्चा करके लिखिए :

(1) मेरा गाँव (2) मेरी दिनचर्या

6. बनाइए / लगाइए :

अपने आस-पास के लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए अपने साथियों के साथ मिलकर पोस्टर बनाइए और सार्वजनिक स्थानों पर लगाइए ।

7. पता कीजिए और लिखिए : स्वस्थ रहने के लिए हमें क्या करना चाहिए, क्या नहीं ।

14 हम भारत की शान हैं !

बच्चे देश का भविष्य हैं। वे हमारे देश की शान हैं। इस कविता में बच्चे बता रहे हैं कि वे कैसे-कैसे काम करके देश को आगे बढ़ाएँगे।

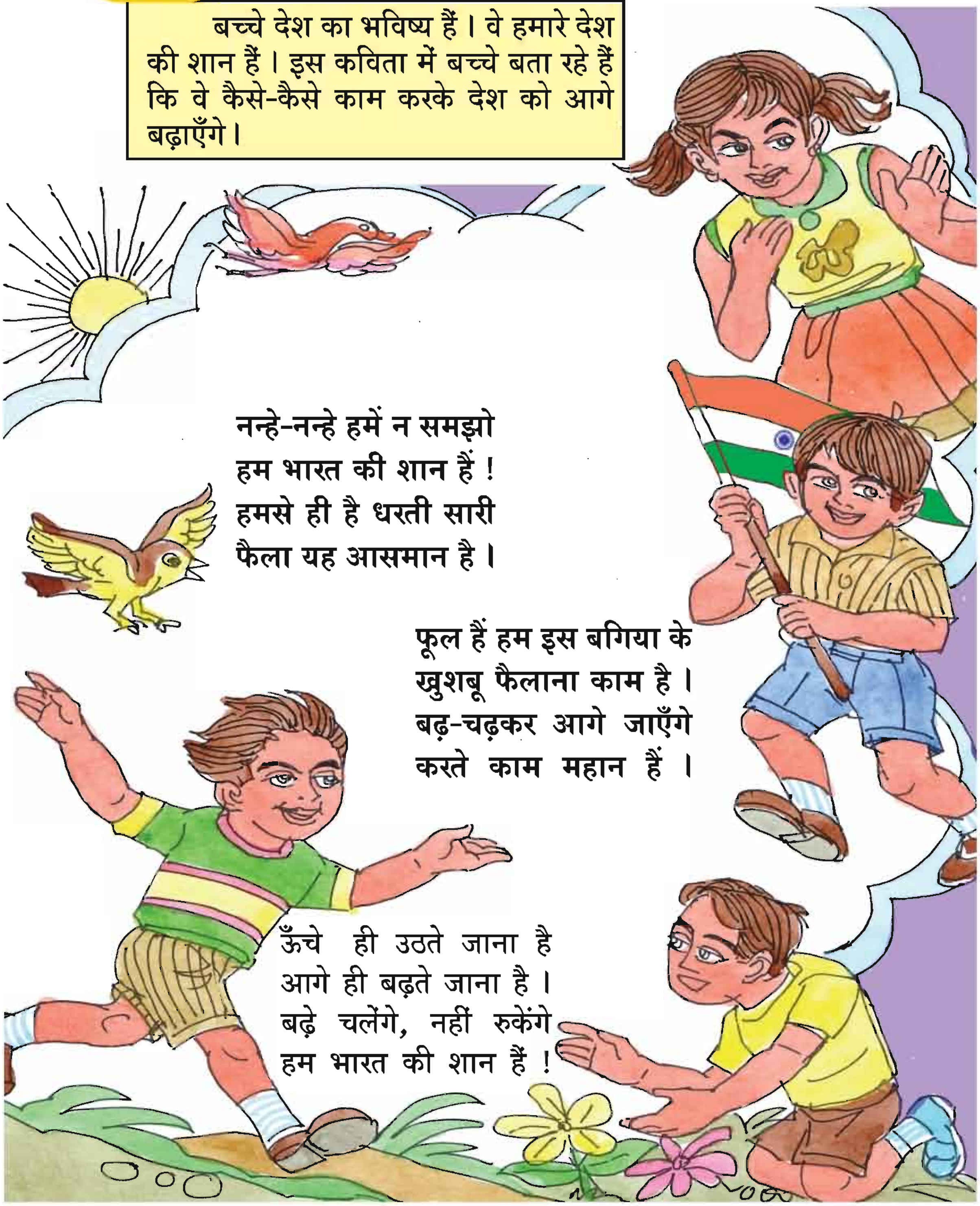

नन्हे-नन्हे हमें न समझो
हम भारत की शान हैं !
हमसे ही है धरती सारी
फैला यह आसमान है।

फूल हैं हम इस बगिया के
खुशबू फैलाना काम है।
बढ़-चढ़कर आगे जाएँगे
करते काम महान हैं।

ऊँचे ही उठते जाना है
आगे ही बढ़ते जाना है।
बढ़े चलेंगे, नहीं रुकेंगे
हम भारत की शान हैं !

शब्दार्थ

बगिया बगीचा शान प्रतिष्ठा खुशबू सुगंध आसमान आकाश

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों से उदाहरण के अनुसार एक वाक्य बनाइए :

उदा. आसमान : बादल आसमान में छाए हैं।

बादल आकाश में छाए हैं।

(1) **धरती :** धरती पर हरियाली छा गई।

(2) **बगिया :** बगिया में गुलाब के फूल हैं।

(3) **शान :** बच्चे देश की शान हैं।

2. (अ) इस कविता में बच्चे देश की शान बढ़ाने के लिए क्या करेंगे - यह बताया है। आप भी देश की शान बढ़ाने के लिए कुछ न कुछ करने को सोचते होंगे। लिखिए कि आप देश की तरक्की के लिए क्या-क्या करेंगे ?

(ब) सोचिए और लिखिए :

हम देश की सेवा किस-किस प्रकार से कर सकते हैं ?

3. काव्य का सामूहिक एवं व्यक्तिगत गान कीजिए।

4. रेखांकित शब्दों पर स्वरभार देकर वाक्य पढ़िए।

(1) मेरा विद्यालय सुंदर है।
मेरा विद्यालय सुंदर है।
मेरा विद्यालय सुंदर है।

(2) अंबाजी में माताजी का बहुत बड़ा मंदिर है।
अंबाजी में माताजी का बहुत बड़ा मंदिर है।
अंबाजी में माताजी का बहुत बड़ा मंदिर है।

स्वाध्याय

1. प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(1) भारतमाता की शान कौन है ?

(2) बगिया में खुशबू कौन फैलाता है ?

(3) हम कैसे आगे बढ़ सकते हैं ?

(4) हमारे देश का भविष्य कौन है ?

योग्यता-विस्तार

पहचान कर नाम लिखिए और इनके बारे में पुस्तकालय से जानकारी प्राप्त कीजिए :

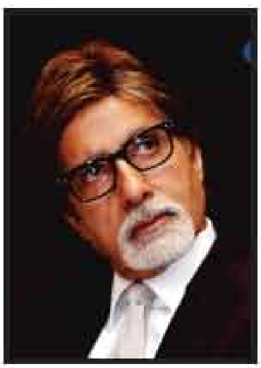

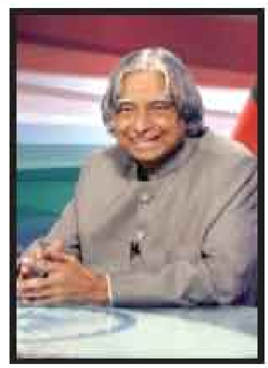

15 खरगोश और हाथी

खरगोश एक छोटा-सा जानवर है और हाथी बहुत बड़ा। इस कहानी में खरगोश किस प्रकार अपनी समझदारी से हाथियों से अपनी रक्षा करते हैं, इसका वर्णन है। यह कहानी 'पंचतन्त्र' से ली गई है।

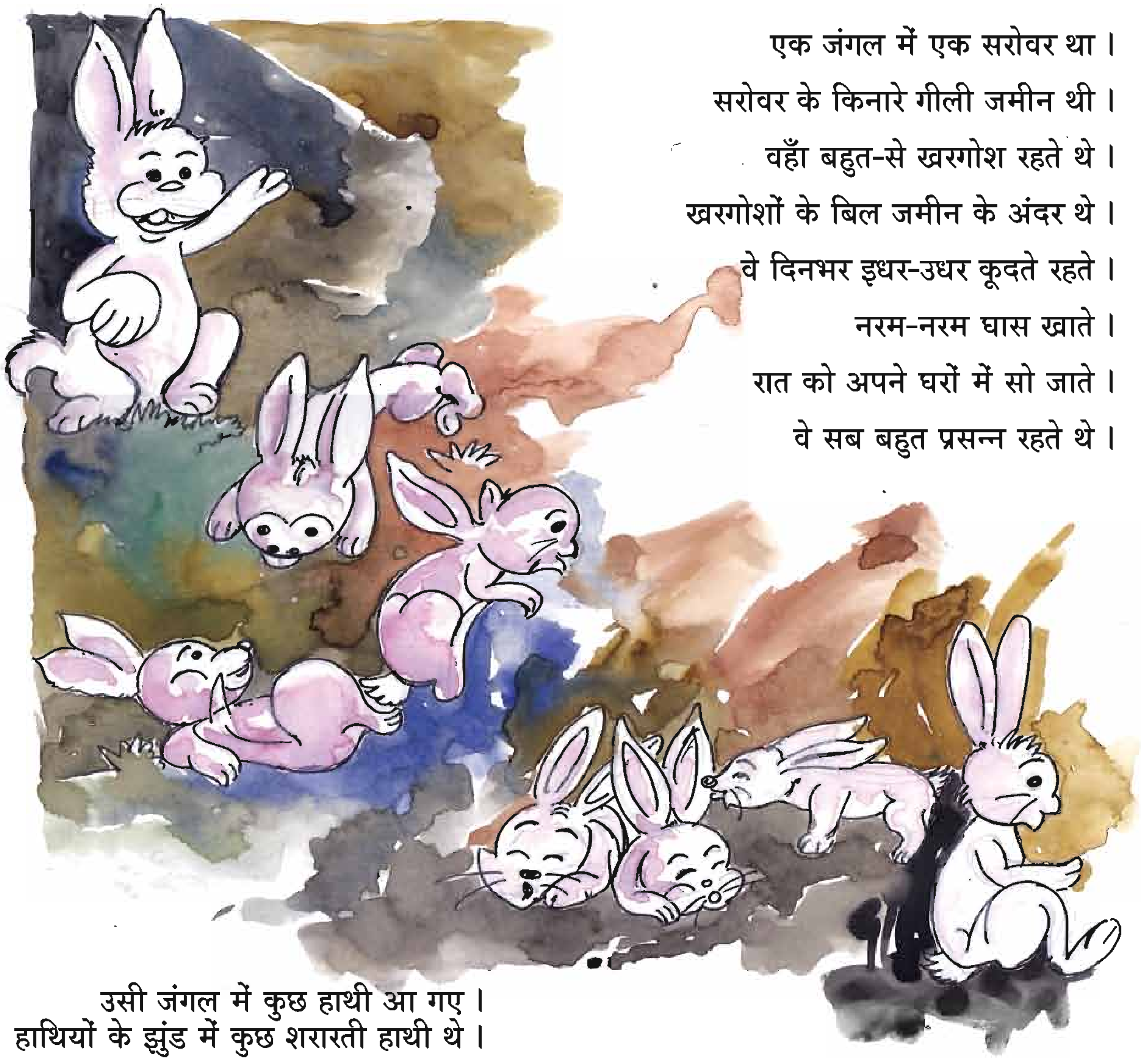

एक जंगल में एक सरोवर था।
सरोवर के किनारे गीली जमीन थी।
वहाँ बहुत-से खरगोश रहते थे।
खरगोशों के बिल जमीन के अंदर थे।
वे दिनभर इधर-उधर कूदते रहते।
नरम-नरम घास खाते।
रात को अपने घरों में सो जाते।
वे सब बहुत प्रसन्न रहते थे।

उसी जंगल में कुछ हाथी आ गए।
हाथियों के झुंड में कुछ शरारती हाथी थे।
वे अपनी सूँड़ से छोटे-छोटे पेड़ तोड़ देते।

पौधे कुचल देते। हाथियों के बच्चे खेल-खेल में एक-दूसरे से लड़ते। कभी एक छोटा हाथी नीचे होता, कभी दूसरा।

हाथी पानी से बहुत प्यार करते हैं। वे सूँड़ में पानी भर-भर कर नहाते। फिर सरोवर के किनारे मिट्टी में लोटते। नरम जमीन उनके भार से दब जाती। साथ ही कई खरगोश परिवार भी दब जाते। इससे खरगोश बहुत दुःखी थे।

खरगोशों के सरदार ने एक उपाय सोचा। कुछ चुने हुए खरगोशों के साथ वह हाथियों के सरदार के पास गया। कुछ दूरी पर बैठ खरगोशों के सरदार ने अपने अगले पाँव उठाए। उसने उन्हें हाथ जोड़ नमस्कार किया। हाथी ने सूँड़ उठाकर नमस्कार का उत्तर दिया।

खरगोश सरदार बोला, हम चाँद के भानजे हैं। चाँद में आप हमारे भाई-बंधुओं को देख सकते हैं। हमारे कुछ भाई धरती पर रहने आए हैं।

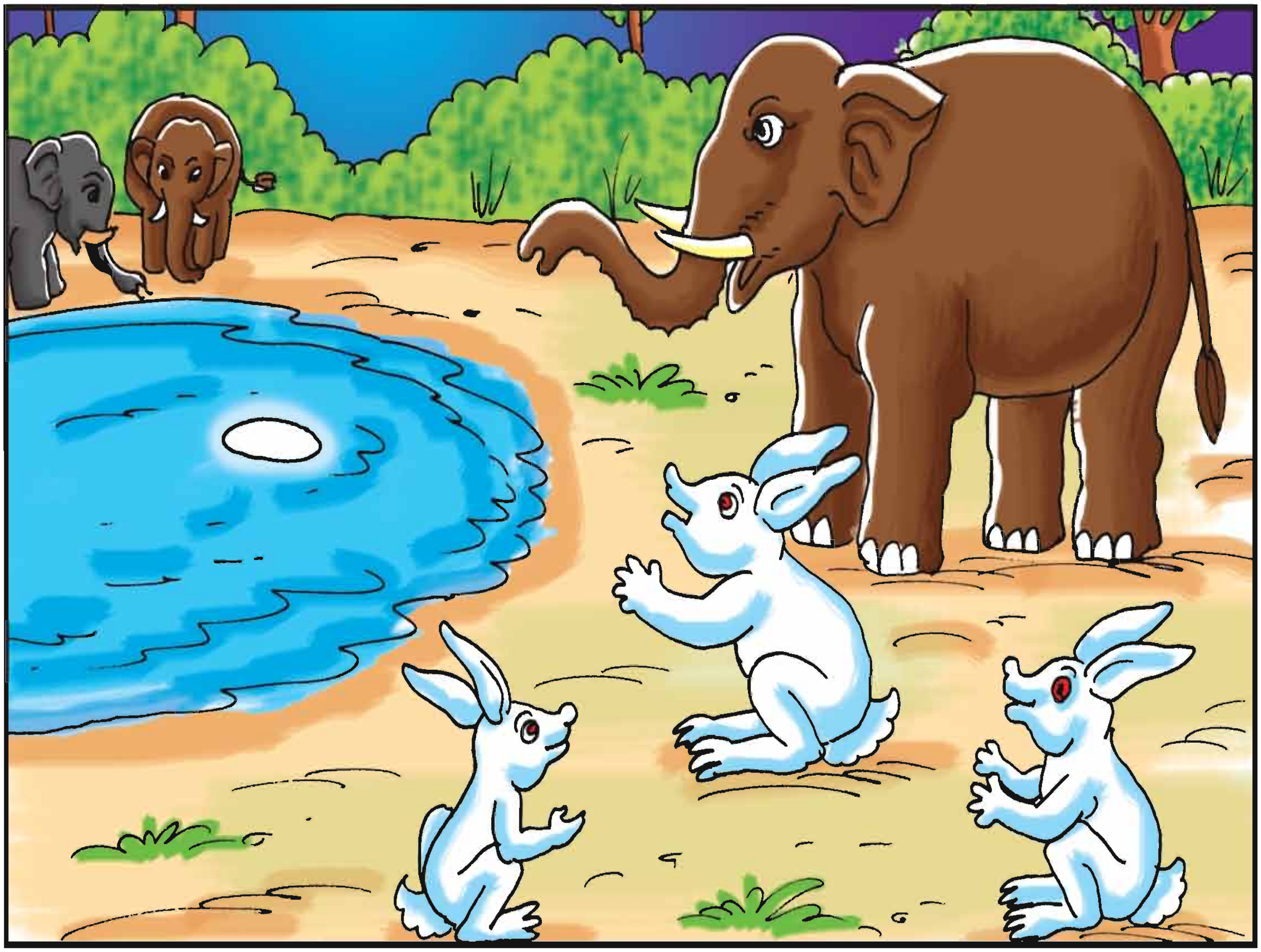

मामा रोज सरोवर में आते हैं, हमसे मिलने। वे आपसे नाराज़ हैं। हाथी बोला, "क्या ? क्यों नाराज़ हैं ? हमने क्या किया है ?"

खरगोश बोला, "सरोवर के समीप नरम मिट्टी में सुराख कर हमने अपने घर बनाए हैं। आपके आने से सुराख दब गए जिससे चंदा मामा के बहुत-से भानजे दब गए। इसलिए वे आपसे बहुत नाराज़ हैं।"

खरगोश आगे बोला, "वे रात को सरोवर में आएँगे और उन्हें यह देखकर अच्छा नहीं लगेगा।"

रात हुई। पूर्णमासी का चाँद निकला। हवा तेज थी। सरोवर में हलकी-हलकी लहरें उठ रही थीं। चाँद लहरों के साथ-साथ ऊपर-नीचे हो रहा था।

हाथी और खरगोश वहाँ पहुँच गए। खरगोश बोला, "देखिए महाराज, चंदामामा गुस्से से काँप रहे हैं। आप जल्दी यहाँ से दूर चले जाएँ। लगता है, मामा बहुत नाराज हो रहे हैं।"

हाथियों के सरदार ने अपने झुंड की तरफ देखा। सभी डर गए थे। सरदार ने अपनी सूँड़ ऊपर उठाई। सभी हाथियों ने ऐसा ही किया। अब सरदार बोला, चमकते हुए चाँद को हमारा नमस्कार। हम अपनी गलती मानते हुए आपसे क्षमा माँगते हैं। आप हमें क्षमा करें। हम अभी दूसरे जंगल में चले जाते हैं। अब ऐसा काम नहीं करेंगे जिससे दूसरों को तकलीफ़ हो।

शब्दार्थ

सरोवर झील **परिवार** एक घर में रहनेवाले लोग **बंधु** भाई **कुचलना** दबाना **क्षमा** माफी **सुराख** छेद **पूर्णमासी** जिस रात चाँद गोल होता है **भानजा** बहन का लड़का **समीप** नजदीक

मुहावरे

गुस्से से काँपना क्रोधित होना

अभ्यास

1. इस कहानी में तीन चित्र दिए गए हैं। हर एक चित्र के संदर्भ में वर्णन लिखिए।

2. मुहावरों के वाक्य-प्रयोग के बारे में सही विकल्प चुनिए :

(1) **फूला न समाना** - अत्यंत खुश होना। ☐

(क) हर्ष परीक्षा में अनुत्तीर्ण होने के कारण फूला न समाया।

(ख) मोनाली स्कूल में प्रथम नंबर आई इसलिए वह फूली न समाई।

(ग) सेठ पानाचंद की जायदाद लुट गई इसलिए वे फूले न समाए।

(2) **ऊँचे चढ़ना** - प्रगति करना। ☐

(क) दीपाली अंग्रेजी विषय में दिन-प्रतिदिन ऊँचे चढ़ना चाहती है।

(ख) हितेश एक ही कक्षा में दो साल रहकर ऊँचे चढ़ना चाहता था।

(ग) बच्चे पेड़ पर ऊँचे चढ़ने का खेल खेलते हैं।

(3) **अभिवादन करना** - सत्कार करना।

(क) आयुषी ने वक्तृत्व स्पर्धा में अच्छा वक्तव्य दिया इसलिए उसके पिता दर्शनकुमार ने उसका अभिवादन किया।

(ख) तनीश आम खा रहा था इसलिए उसके मित्र ने उसका अभिवादन किया।

(ग) शिल्पा दौड़ में हार गई इसलिए उसकी मम्मी ने उसका अभिवादन किया।

3. चित्र देखकर कहानी कहो।

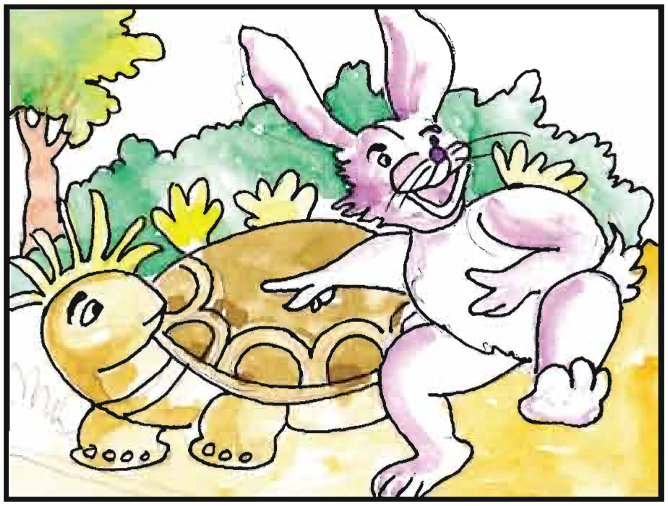

1. कछुआ और खरगोश के बीच स्पर्धा हुई।

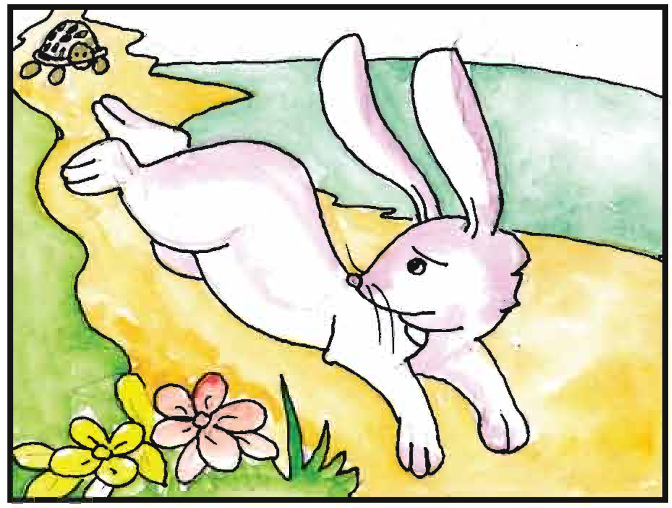

2. खरगोश तेज़ दौड़ रहा है।

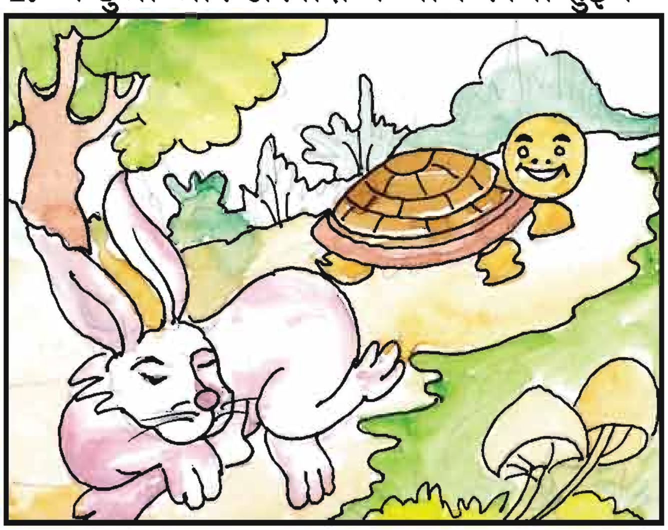

3. खरगोश सो गया।

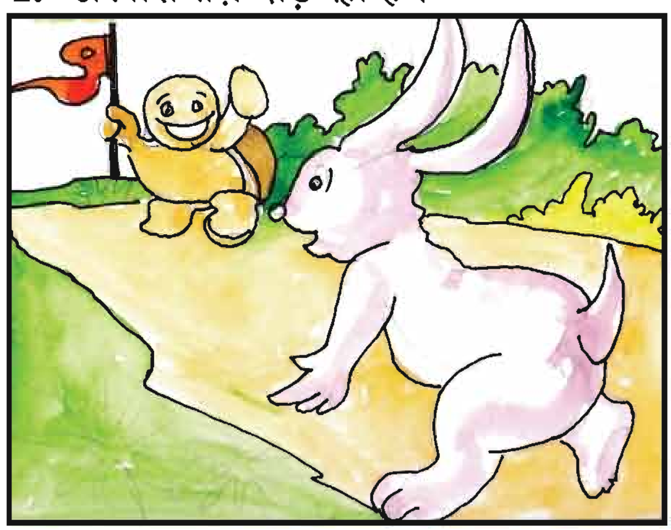

4. कछुआ जीत गया।

– इस कहानी के आधार पर अपने साथियों से पूछने के लिए प्रश्न बनाकर लिखो।

स्वाध्याय

1. प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) खरगोशों के बिल कहाँ थे ?

(2) खरगोशों का सरदार क्या बोला ?

(3) पूर्णमासी का चाँद कैसा है ?

(4) तालाब में क्या दिखाई दे रहा है ?

(5) चंदामामा से माफी कौन माँग रहा है ?

2. मातृभाषा में अनुवाद कीजिए :

(1) सरोवर के किनारे गीली जमीन थी।

(2) हम चाँद के भानजे हैं।

(3) हाथियों के झुंड में कुछ शरारती हाथी थे।

(4) खरगोशों के सरदार ने एक उपाय सोचा।

3. संदर्भ पुस्तक पढ़कर पता करो और लिखो कि पूर्णमासी कब होती है और अमावस्या कब ?

योग्यता-विस्तार

पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों में से कहानियाँ पढ़कर प्रार्थना-कार्यक्रम में या कक्षा में कहिए।

पढिए और समझिए :

- समझदारी से बड़े से बड़ा कार्य हो सकता है।
- दूसरों को तकलीफ हो ? ऐसे कार्य हमें नहीं करना चाहिए।
- जल्दबाजी से कार्य सफल नहीं होते ; धीरज से कार्य सफल होते हैं।

16 पहेलियाँ

पहेलियाँ सबको पसंद आती हैं। पहेलियाँ समस्या या प्रश्न के स्वरूप में होती हैं। उन्हें समझना बड़ा रसप्रद होता है। पहेलियाँ हमारी विचार करने की शक्ति को बढ़ाती हैं और ज्ञान में वृद्धि भी करती हैं।

(1) गोल गोल घर है मेरा,
हर कमरे में रस,
ज्यों ही मुँह में रखोगे,
हो जाओगे मस्त।

(2) धरती में मैं पैर छिपाता,
आसमान में शीश उठाता,
टिकता हूँ पर चल नहीं पाता,
पैरों से हूँ भोजन खाता।

(3) तीन अक्षर का मेरा नाम,
सिर के ऊपर मेरा स्थान,
अंत कटे तो पग बन जाऊँ
मध्य कटे तो पड़ी रहूँ।

(4) पहाड़ है पर पत्थर नहीं,
नदी है पर जल नहीं,
शहर है पर जीव नहीं,
जंगल है पर पेड़ नहीं।

(5) कागज़ का घोड़ा,
धागे की लगाम,
छोड़ दे धागा,
तो करे सलाम।

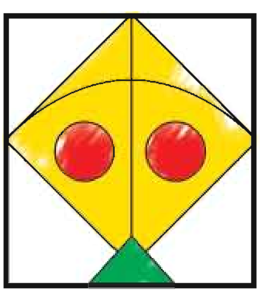

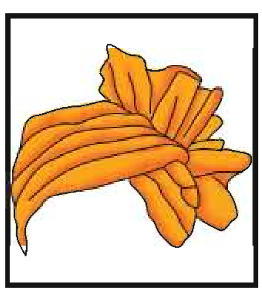

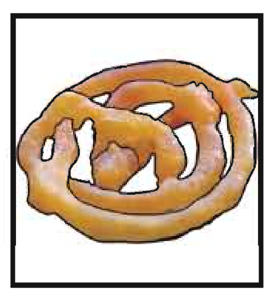

अभ्यास

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(1) पेड़ हमें किस तरह मददरूप होते हैं ?

(2) आपको खाने में कौन-सी मीठी चीजें पसंद हैं ?

(3) पतंग के अलग-अलग नाम होते हैं, उनकी सूची बनाओ।

स्वाध्याय

1. पढ़कर समझिए :

(1) धरती × आसमान

(2) उठाता × गिराता

(3) ऊपर × नीचे

(4) शुरुआत × अंत

(5) शहर × गाँव

2. उपर्युक्त शब्दों का वाक्य में प्रयोग कीजिए।

उदाहरण : • हम **धरती** पर रहते हैं।

• हम **आसमान** में नहीं रहते हैं।

3. पढ़कर समझिए :

(1) हररोज - हमेशा

(2) पहाड़ - पर्वत

(3) पेड़ - वृक्ष

(4) धरती - पृथ्वी

(5) शीश - मस्तक

4. उपर्युक्त शब्दों का वाक्य में प्रयोग कीजिए :

उदाहरण : मैं हररोज दूध पीती हूँ।

मैं हमेशा दूध पीती हूँ।

5. चित्र आधारित शब्दों की सूची बनाइए।

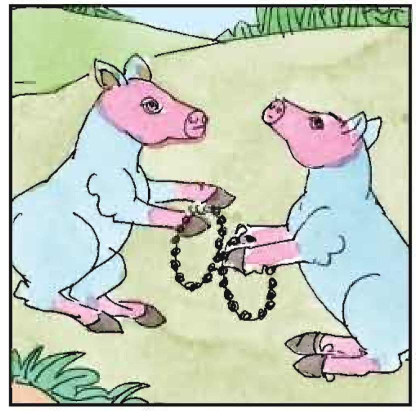

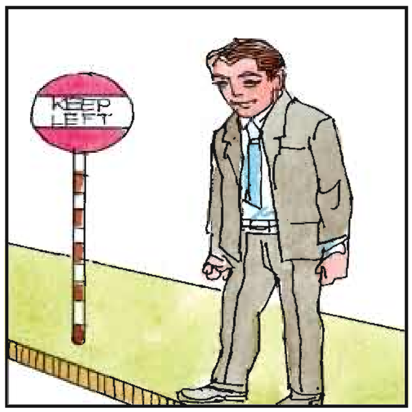

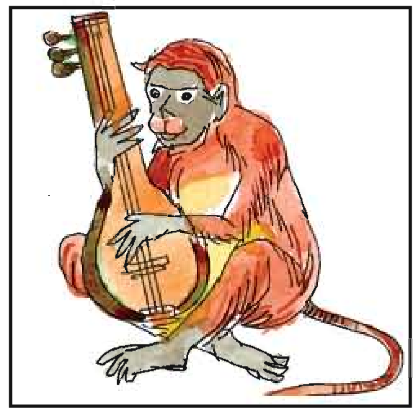

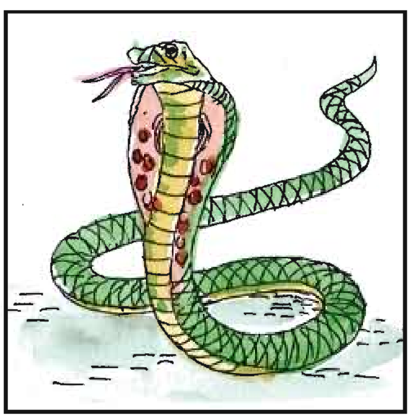

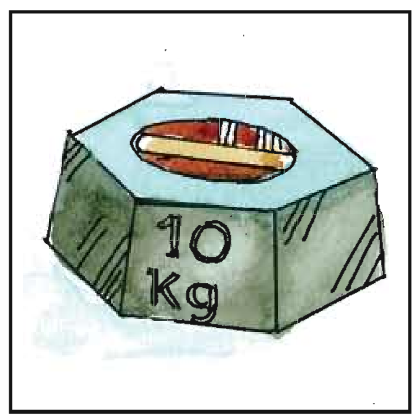

लिखो, क्या बातें कर रहे होंगे ये आपस में –

– गधा आदमी से

– चायवाला शेर से

– सुअर आपस में

– विक्रम बैताल से

पुनरावर्तन 4

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) अजय के मोहल्ले में गंदगी क्यों फैली हुई थी ?

(2) बगीचे में खुशबू कौन फैलाता है ?

(3) खरगोशों का सरदार क्या बोला ?

(4) हमारे देश की शान कौन हैं ?

2. पढ़िए और लिखिए :

सप्ताह, स्वच्छता, उत्साह, नन्हे, सब्जी, सम्मान, स्वदेश, लिज्जत

3. नीचे दिए गए चित्र के आधार पर पाँच वाक्य लिखिए :

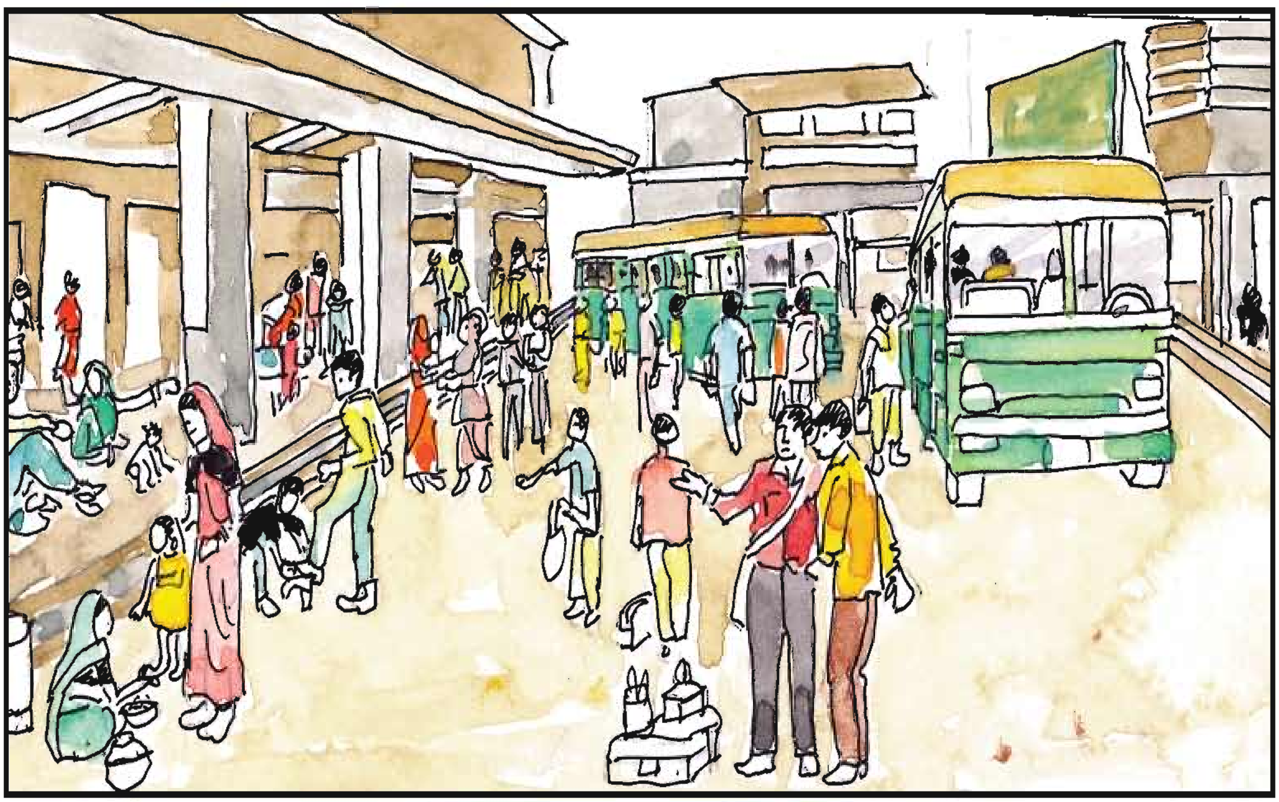

4. नीचे दिए गए विशेषण और क्रियावाले शब्दों को कोष्ठक में लिखिए :

- सुंदर, पढ़ना, खाना, लाल, रोना, कुछ, झूलना, तीन, सच्चा, नापना

विशेषण	क्रिया

- **ऊपर दिए गए शब्दों का वाक्य-प्रयोग कीजिए।**

5. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्द पर बल देकर वाक्य बोलिए :

(1)
- <u>यहाँ</u> हमेशा पानी की कमी रहती है।
- यहाँ <u>हमेशा</u> पानी की कमी रहती है।
- यहाँ हमेशा <u>पानी की</u> कमी रहती है।

(2)
- <u>आज</u> मेरे दोस्त का जन्मदिन है।
- आज <u>मेरे दोस्त का</u> जन्मदिन है।
- आज मेरे दोस्त का <u>जन्मदिन</u> है।

(3)
- <u>मैंने</u> उपहार देने के लिए कहानी की एक पुस्तक खरीदी।
- मैंने <u>उपहार</u> देने के लिए कहानी की एक पुस्तक खरीदी।
- मैंने उपहार देने के लिए <u>कहानी</u> की एक पुस्तक खरीदी।

6. नीचे दिए गए संकेतों को पहचानिए :

ફક્ત ડાબી બાજુ વાળો

COMPULSORY AHEAD OR TURNIING LEFT

ફક્ત જમણી બાજુ હાંકો

COMPULSORY AHEAD OR TURNIING RIGHT

ફક્ત ડાબી બાજુ હાંકો

COMPULSORY KEEP LEFT

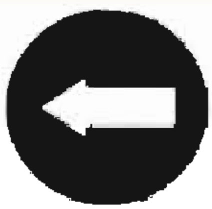

ફક્ત ડાબી બાજુ વાળો

COMPULSORY TURNING LEFT

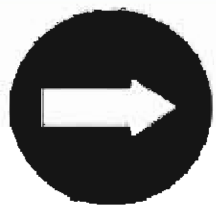

ફક્ત જમણી બાજુ વાળો

COMPULSORY TURNING RIGHT

ફક્ત સીધા જાઓ

COMPULSORY AHEAD ONLY

7. बनाओ पोस्टर : तुम शहर में सड़कों के किनारे विभिन्न प्रकार के विज्ञापनवाले पोस्टर देखते होंगे। तुम भी इसी प्रकार का कोई विज्ञापन बनाकर अपनी कक्षा में लगाओ।

स्व-अध्ययन

❐ **कौन बनेगा 'क्विज मास्टर' ?**

(1) **''बेटा,सदैव सच बोलना। झूठ बोलना पाप है।'' ऐसा किसने कहा ?**

(क) सरदार

(ख) डाकू

(ग) अब्दुल कादिर की माँ

(घ) अब्दुल कलाम

(2) **किसने लोगों को समझाया कि घर का कूड़ा कूड़ेदान में ही डालें ।**

(क) मोहन

(ख) अजय

(ग) अध्यापक

(घ) अजय की माता

(3) **"सभी सब्जियाँ मेरे बिना अधूरी हैं ।" ऐसा किसने कहा ?**

(क) फूलगोभी

(ख) बंदगोभी

(ग) बैंगन

(घ) आलू

(4) **'सबको गले लगाना' हमें किसने सिखाया है ?**

(क) दूध तथा पानी

(ख) लता और पेड़ों

(ग) हवा के झोंकों

(घ) सूरज की किरणों

(5) "मैं बादलों से प्रार्थना करूँगा रोज बरसो ।" ऐसा कौन बोलता है ?

(क) बिल्लू

(ख) महिमा

(ग) लोग

(घ) सभी बच्चे

स्व-अध्ययन

क्या करोगे (✔), क्या नहीं (✕) ?

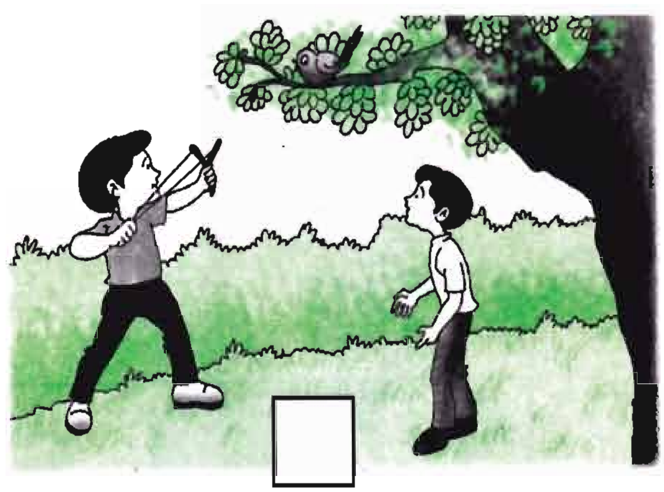

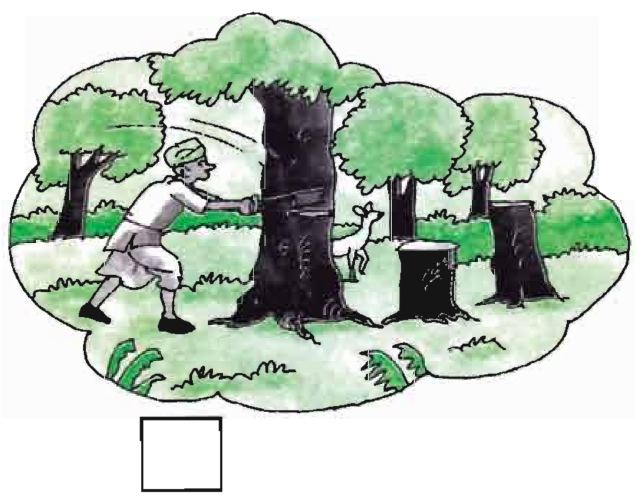

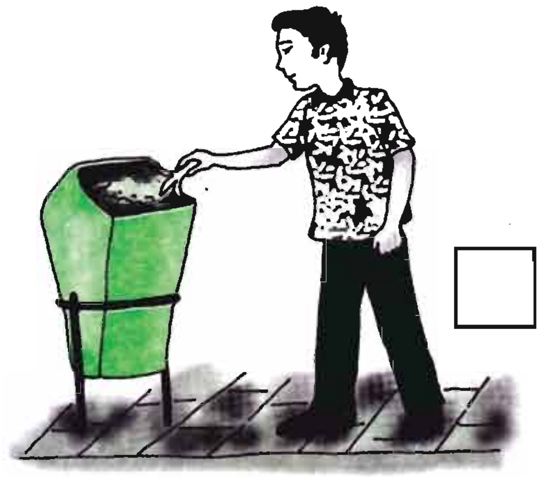

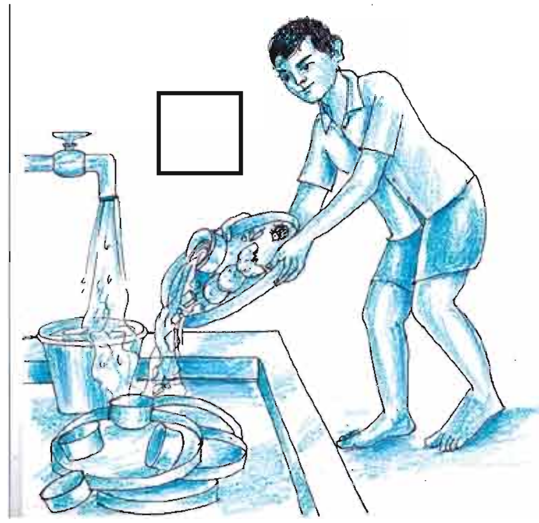

❒ नीचे बने वर्ग में निर्देश के अनुसार हर खाने को पूरा कीजिए :

ये निर्देश धीरे-धीरे दिए जाएँगे। हर निर्देश के बाद कार्य करने को थोड़ा समय दिया जाएगा।

1	2	3
4	5	6
7	8	9

स्व-अध्ययन

- पहले खाने में अपना नाम लिखिए।
- आठवें खाने में एक मछली बनाइए।
- छठे खाने में पीला रंग भरिए।
- दूसरे खाने में एक पक्षी बनाइए।
- सातवें खाने में लाल फूल बनाइए।
- नवें खाने में एक पेड़ बनाइए।
- पाँचवें खाने में जल के लिए दो शब्द लिखिए।
- चौथे खाने में सूर्य बनाइए।
- तीसरे खाने में चाँद का समानार्थक लिखिए।

स्व-अध्ययन

- **इस कविता पर आधारित एक चित्र बनाइए और उसे एक सुंदर शीर्षक दीजिए :**

नदिया की धारा से सीखो
बाधाओं से लड़ना।
फूलों की मुसकान से सीखो
काँटों में भी खिलना।
सूरज की किरणों से सीखो
तपकर जीवन देना।

बहती हुई हवा से सीखो

कभी न राह में रुकना।

वीरों के बलिदान से सीखो

देश-प्रेम हित मरना।

●●●